■ वैशाख कृष्ण - 10 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 275 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 03-05-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 विरासत कर की बात करने वाले 'औरंगजेब' के नए अवतार : योगी

6 दुनिया का सबसे महंगा चुनाव है गंभीर चुनौती

7 बहुत गुणा-भाग करके किरदार नहीं चुनता : राजकुमार राव

फर्स्ट टेक

अदाणी इंटरप्राइजेज का मुनाफा 39 प्रतिशत घटा

अहमदाबाद/वार्ता। अदाणी समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी इंटरप्राइजेज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2023-24 की अंतिम तिमाही में 449 करोड़ रुपये का सकल लाभ अर्जित किया है जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 735 करोड़ रुपये के लाभ की तुलना में 39 प्रतिशत कम है। कंपनी ने आज निदेशक मंडल की बैठक के बाद यहां जारी वित्तीय लेखाजोखा में कहा कि मार्च 2024 को समाप्त तिमाही में उसकी सकल आय 29630 करोड़ रुपये रही है जो वित्त वर्ष 2022-23 की अंतिम तिमाही की 29311 करोड़ रुपये की आय की तुलना में मात्र एक प्रतिशत अधिक है। उसने कहा कि मार्च 2024 में समाप्त वित्त वर्ष में उसका सकल लाभ 3240 करोड़ रुपये रहा है जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 2464 करोड़ रुपये के लाभ की तुलना में 31 प्रतिशत अधिक है। इस वित्त वर्ष में कंपनी की सकल आय 98282 करोड़ रुपये रही है जो वित्त वर्ष 2022-23 की 128734 करोड़ रुपये की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक है।

यूएई में फिर खराब हुआ मौसम, कई उड़ानें रद्द

दुबई/भाषा। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में बृहस्पतिवार को भारी बारिश और आंधी के कारण कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं। इससे दो सप्ताह पहले दुबई में आए अभूतपूर्व तूफान के चलते कई दिन तक जन-जीवन अस्त व्यस्त रहा था। बुधवार को देश के राष्ट्रीय आपात संकट एवं आपदा मोचन प्राधिकरण (एनसीईएमए) ने हालात से निपटने के लिए तैयारियां तेज कर दीं। हालांकि इन बारिश के पिछले महीने हुई अभूतपूर्व बारिश की तुलना में कम गंभीर रहने का अनुमान है, लेकिन फिर भी लोगों से ऐहतियात बरतने का आग्रह किया गया है। इससे पहले 14-15 अप्रैल को भीषण बारिश के चलते अरब प्रायदीप के क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुए थे। इस दौरान दुबई में 1949 के बाद से सबसे अधिक बारिश हुई थी।

रूस ने अंतरिक्ष में हथियारों पर प्रतिबंध संबंधी एक प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र में पेश किया

संयुक्त राष्ट्र/एपी। रूस ने संयुक्त राष्ट्र में एक प्रस्ताव पेश किया है जिसमें सभी देशों से बाह्य अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती ''हमेशा के लिए रोकने'' के वास्ते तत्काल कदम उठाने की अपील की गई है। दिलचस्प बात यह है कि एक सप्ताह पहले कमोबेश इसी प्रकार का एक प्रस्ताव अमेरिका और जापान ने संयुक्त रूप से विश्व निकाय में पेश किया था जिसपर रूस ने वीटो कर दिया था।

03-05-2024 सूर्यास्त	04-05-2024 सूर्योदय
5:57 बजे	6:35 बजे

BSE	NSE
74,611.11	22,648.20
(+128.33)	(+43.35)

सोना	चांदी
7,363 रु.	82,429 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

हिंदुओं को विभाजित करने का प्रयास कर रही कांग्रेस : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुरेन्द्रनगर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर उनकी भगवान राम और भगवान शिव पर की गई टिप्पणी को लेकर हमला बोला तथा आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी तुष्टीकरण की अपनी राजनीति के कारण हिंदुओं के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही है।

प्रधानमंत्री ने गुजरात के सुरेंद्रनगर में सुरेंद्रनगर और भावनगर लोकसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों के समर्थन में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए यह आरोप भी लगाया कि कांग्रेस ने धर्म के आधार पर

आरक्षण देने का प्रस्ताव रखकर संविधान की पीठ में छुरा घोंपा है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी ने सरकारी निविदाओं में मुसलमानों के लिए आरक्षण का वादा किया है। मोदी ने कहा, अब कांग्रेस हिंदुओं के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भगवान राम और भगवान शिव को लेकर बेहद खतरनाक बयान दिया है। यह बयान दुर्भावनापूर्ण इरादे से दिया गया है। वे हिंदू समुदाय को बांटने का खेल खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, वे भगवान राम और शिव भक्तों के बीच भेद पैदा कर रहे हैं ताकि वे एक-दूसरे से लड़ें। यहां तक कि मुगल भी हमारी हजारों साल पुरानी परंपराओं को नहीं तोड़ सके। और अब कांग्रेस इसे तोड़ना चाहती है? तुष्टीकरण के लिए कांग्रेस कितना नीचे गिरेगी?''

खरगे ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ में पार्टी प्रत्याशी शिवकुमार डहरिया के समर्थन में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा था, इनका नाम शिवकुमार है। वह राम के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं क्योंकि वह शिव हैं। मैं मल्लिकार्जुन भी हूं। मैं भी शिव हूं। मल्लिकार्जुन भगवान शिव का दूसरा नाम है।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस और उसके समर्थकों ने अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए भेजे गए निमंत्रण को ठुकरा दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा से ऐसी पार्टी रही है जिसने हमेशा 'गलत' कदम ही उठाया है। मोदी ने कहा, आजादी के बजाय उन्होंने देश का बंटवारा किया। विकास लाने के बजाय, उन्होंने पहले से मौजूद चीजों को लूट लिया।

एचडी रेवन्ना ने दायर की अग्रिम जमानत याचिका

बेंगलूरु। अपने बेटे प्रज्ज्वल रेवन्ना के साथ सेक्स स्कैंडल में फंसे जनता दल (सेक्यूलर) के प्रमुख नेता एचडी रेवन्ना ने गिरफ्तारी से पहले जमानत के लिए गुरुवार को सत्र न्यायालय में याचिका दायर की। रेवन्ना ने यह कदम विशेष जांच दल (एसआईटी) की ओर से उनके आवास के बाहर एक नोटिस चिपकाये जाने के एक दिन बाद उठाया है, जिसमें उन्हें मामले के संबंध में तलब किया गया है। याचिका बेंगलुरु के सत्र न्यायालय में दायर की गयी है, जहां मामले को आगे की कार्यवाही के वास्ते अगले दिन के लिए स्थगित कर दिया गया। रेवन्ना ने एसआईटी की ओर से नोटिस भेजे जाने की बात स्वीकार करते हुए कहा, मुझे नोटिस दिये जाने की जानकारी है, मैं जांच अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग करने के लिए तैयार हूं। इस बीच, वर्तमान में विदेश में रह रहे प्रज्ज्वल ने अश्लील सामग्री के कथित प्रसार के संबंध में एसआईटी के सामने पेश होने के लिए अतिरिक्त समय का अनुरोध किया है।

न्यूजक्लिक मामला

दिल्ली दंगों को भड़काने के लिए प्रबीर पुरकायस्थ ने चीन से भारत में धन भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने एक स्थानीय अदालत को बताया है कि न्यूजक्लिक के संस्थापक और प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ ने 2020 के दिल्ली दंगों को भड़काने और जारी रखने, कोविड-19 पर दुष्प्रचार करने तथा किसान आंदोलन को भड़काये रखने के लिए चीन से

भारत में धन का प्रवाह किया और कश्मीर में खुलेआम आतंकी वित्त पोषण में शामिल रहे। पुलिस ने अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरदीप कौर के समक्ष दायर अपने आरोप पत्र में ये आरोप लगाए, जिन्होंने मंगलवार को इस पर संज्ञान लिया। आरोप-पत्र के अनुसार, पुरकायस्थ सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ के कई कर्मचारियों को वेतन देते थे। आरोप-पत्र में कहा गया है कि वर्तमान मामले में एक अन्य सामाजिक कार्यकर्ता गौतम नवलखा की भूमिका की भी जांच की जा रही है। अंतिम रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि नवलखा न्यूजक्लिक के शेयरधारक रहे हैं और संरक्षित गवाहों की गवाही में उनकी भूमिका प्रतिबंधित नक्सली संगठन के लिए हथियारों और गोला-बारूद के लिए वित्त आपूर्ति के माध्यमों में से एक के रूप में सामने आई है। आरोप पत्र में न्यूजक्लिक के मानव संसाधन (एचआर) प्रमुख और आरोपी से सरकारी गवाह बने अमित चक्रवर्ती के बयान का हवाला दिया गया है, जिसमें दावा किया गया है कि पुरकायस्थ, सीतलवाड़ के कई कर्मचारियों को वेतन देते थे क्योंकि तीस्ता का एफसीआरए कुछ मुकदमेबाजी के कारण बंद हो गया था।

बढ़ती गर्मी

गुरुवार को कोलकाता में तेज धूप के बीच लोग अपनी प्यास बुझाते हुए।

शक्सगाम घाटी भारत का हिस्सा, चीन को कड़ी चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारत ने चीन को आज चेतावनी दी कि सियाचिन ग्लेशियर के समीप शक्सगाम घाटी भारत का हिस्सा है और चीन द्वारा जमीन पर किसी भी बदलाव की दशा में अपने हितों की रक्षा के लिए भारत जरूरी उपाय करेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां मीडिया की नियमित ब्रीफिंग में सियाचिन के पास चीनी गतिविधियों के बारे में पूछे जाने पर कहा, हम शक्सगाम घाटी को अपना क्षेत्र मानते हैं। हमने 1963 के तथाकथित चीन-पाकिस्तान सीमा

समझौते को कभी स्वीकार नहीं किया है, जिसके माध्यम से पाकिस्तान ने अवैध रूप से इस क्षेत्र को चीन को सौंपने का प्रयास किया था।

जायसवाल ने कहा, हमने लगातार अपनी अस्वीकृति व्यक्त की है। हमने जमीनी स्तर पर तथ्यों को बदलने के अवैध प्रयासों के खिलाफ चीनी पक्ष के साथ अपना विरोध दर्ज कराया है। हम अपने हितों की रक्षा के लिए आवश्यक उपाय करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं।

उल्लेखनीय है कि चीन ने भारत की सीमा से लगी शक्सगाम घाटी में अवैध निर्माण शुरू कर दिया है जिससे भारत-चीन के बीच हालात फिर से तनावपूर्ण होने लगे हैं।

घमंडिया गठबंधन के आधे नेता बेल पर, आधे जेल में : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अररिया/मुजफ्फरपुर/एजेन्सी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आज इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया गठबंधन) को एक बार फिर घमंडिया गठबंधन करार दिया और कहा कि भ्रष्टाचारियों के इस कुनबे के आधे नेता बेल पर और आधे जेल में हैं।

नड्डा ने गुरुवार को अररिया और मुजफ्फरपुर संसदीय क्षेत्र से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन

(राजग) उम्मीदवारों के पक्ष में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि घमंडिया गठबंधन भ्रष्टाचारियों का कुनबा है। इसके आधे नेता बेल (जमानत) पर बाहर हैं और आधे नेता जेल में हैं। उन्होंने कांग्रेस पर सनातन विरोधी लोगों के साथ खड़े होने का आरोप लगाते हुए कहा कि ये वो लोग हैं, जो भगवान राम को नहीं मानते हैं। इन लोगों को राम मंदिर से परेशानी थी लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर बनवाया। यह हमारी सरकार की उपलब्धि है कि उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बनाया जा सका।

भाजपा अध्यक्ष ने कन्हैया कुमार को दिल्ली संसदीय क्षेत्र से उम्मीदवार बनाये जाने को लेकर कांग्रेस पर देश के टुकड़े-टुकड़े करने की सोच रखने वाले को चुनाव लड़ने के लिए टिकट देने का आरोप लगाया और कहा, कांग्रेस अफजल समर्थकों के साथ खड़ी है।

दिल्ली बम धमकी मामला:

दहशत फैलाना, सार्वजनिक व्यवस्था बिगाड़ना था ईमेल भेजने का मकसद

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के 100 से अधिक स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी संबंधी ईमेल भेजने का मकसद बड़े पैमाने पर दहशत पैदा करना और सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ना था। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ द्वारा दर्ज प्राथमिकी में यह दावा किया गया है। प्राथमिकी तक पहुंच रखने वाले आधिकारिक सूत्र के अनुसार बुधवार को सुबह 5:47 बजे से अपराह्न 2:13 बजे के बीच कई स्कूलों की तरफ से, बम धमकी मिलने के बारे में कम से कम 125 कॉल आईं। सूत्र ने कहा कि कॉल आने के बाद पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) वाहन स्कूल पहुंचे और जिला पुलिस, बम निरोधक दस्ता (बीडीएस), एमएसी, विशेष प्रकोष्ठ और अपराध नियंत्रण कक्ष, डीडीएमएस, एनडीआरएफ, फायर कैट्स' व अन्य एजेंसियों को सतर्क किया गया। सूत्र के अनुसार प्राथमिकी में कहा गया है कि स्कूलों की ओर इन इकाइयों की आवाजाही के कारण काफी असुविधा हुई।

खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र

प्रत्येक मतदाता हमारा वोट बैंक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खरगे ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर अपील की कि वह 'नफरत फैलाने वाले भाषण' देने के बजाय अपनी सरकार के पिछले 10 वर्ष के कामकाज के आधार पर वोट मांगें।

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर बृहस्पतिवार को तीखा हमला किया और कहा कि जब चुनाव खत्म हो जाएंगे तब लोग उन्हें केवल ऐसे प्रधानमंत्री के रूप में याद करेंगे जो हार से बचने के लिए ''झूठ से भरे विभाजनकारी और सांप्रदायिक भाषण'' देते थे। खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवारों को पत्र लिखा है जिसमें कहा गया है कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग से आरक्षण छीनकर कांग्रेस के वोट बैंक को दिया जाएगा। उन्होंने कहा, प्रत्येक भारतीय हमारा वोट बैंक है, चाहे वह गरीब हो, वंचित हो, महिला, युवा, मजदूर वर्ग, दलित या फिर आदिवासी हो... ये सभी हमारा वोट बैंक हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर अपील की कि वह ''नफरत फैलाने वाले भाषण'' देने के बजाय अपनी सरकार के पिछले 10 वर्ष के कामकाज के आधार पर वोट मांगें।

कांग्रेस अध्यक्ष ने ये टिप्पणियां तब की हैं जब प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के बाद राजग उम्मीदवारों को पत्र लिखकर कांग्रेस के खिलाफ अनेक आरोप लगाए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा चुनावों में भाजपा नीत राजग के उम्मीदवारों से कहा कि वे इस बारे में मतदाताओं के बीच जागरूकता फैलाएं कि कांग्रेस ''अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग से आरक्षण छीनना चाहती है और उन्हें अपने वोट बैंक को देना चाहती है। उम्मीदवारों को लिखे गए एक व्यक्तिगत पत्र में प्रधानमंत्री ने धर्म के आधार पर आरक्षण असंवैधानिक होने के बावजूद कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर विभाजनकारी और भेदभावपूर्ण इरादे रखने का भी आरोप लगाया।

खरगे ने मोदी को लिखे पत्र में कहा, मैंने वह पत्र देखा है जो आपने राजग के सभी उम्मीदवारों को लिखा है और जिसमें कहा गया है कि उन्हें मतदाताओं से क्या बोलना है। पत्र के लहजे और विषयवस्तु से ऐसा लगता है कि आपके अंदर बहुत हताशा और चिंता है जो आपको ऐसी भाषा का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित कर रही है जो प्रधानमंत्री पद के अनुरूप नहीं है। खरगे ने कहा, पत्र से ऐसा प्रतीत होता है कि आपके भाषणों में जो झूठ है उसका वैसा असर नहीं हो रहा है जैसा आप चाहते थे और अब आप चाहते हैं कि आपके उम्मीदवार आपके झूठ को फैलाएं।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चर्चा ए आम

परिणामों पर पोल खोल की,
चैनल पर बस चबर-चबर है।
बता रहे हैं आज आंकड़े,
कौन सींकिया कौन जबर है।
चिंता से निश्चिंत हुए जो,
उनको अब हो गई सबर है।
पर बेसब्रे अब भी गाफिल,
कल की जिनको नहीं खबर है।।

लोकसभा चुनाव प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है अमेरिका

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारत ने अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग को एक पक्षपाती संगठन और उसकी रिपोर्ट को राजनीतिक एजेंडा करार दिया है तथा कहा है कि इसके जरिये भारत के आम चुनावों को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को यहां मीडिया की नियमित ब्रीफिंग में कहा, यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ) ने कल अपनी रिपोर्ट 2024 जारी की है। वे पहले भी अपनी रिपोर्ट जारी करते रहे हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि यूएससीआईआरएफ को एक पक्षपाती संगठन के रूप में जाना जाता है। वे वार्षिक रिपोर्ट को भारत पर अपने एक राजनीतिक एजेंडे के हिस्से के रूप में प्रचारित करते हैं। उन्होंने कहा, हमें वास्तव में कोई उम्मीद नहीं है कि यूएससीआईआरएफ कभी यह समझने की कोशिश करेगा कि दुनिया में सबसे बड़े चुनावी अभियान में हस्तक्षेप करने के उनके प्रयास कभी सफल नहीं होंगे।

ट्रूडो की टिप्पणी इंगित करती है कि कनाडा में अलगाववाद, उग्रवाद को राजनीतिक स्थान मिला : भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा अपने देश में खालिस्तानी तत्वों से संबंधित कुछ टिप्पणियां करने के कुछ दिनों बाद, भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि ये टिप्पणियां एक बार फिर कनाडा में अलगाववाद, उग्रवाद और हिंसा को मिले राजनीतिक स्थान को दर्शाती हैं।

ट्रूडो ने रविवार को टोरंटो में खालसा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया था जिसमें कुछ खालिस्तान समर्थक लोगों ने हिस्सा लिया था। ट्रूडो ने खालिस्तान समर्थक तत्वों की

गतिविधियों का जिक्र करते हुए कथित तौर पर कार्यक्रम से इतर मीडिया से कहा कि ''हमारा काम राजनीतिक विरोध को कुचलना नहीं है''।

■ ट्रूडो ने रविवार को टोरंटो में खालसा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया था जिसमें कुछ खालिस्तान समर्थक लोगों ने हिस्सा लिया था। ट्रूडो ने खालिस्तान समर्थक तत्वों की गतिविधियों का जिक्र करते हुए कथित तौर पर कार्यक्रम से इतर मीडिया से कहा कि "हमारा काम राजनीतिक विरोध को कुचलना नहीं है"।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, ''प्रधानमंत्री ट्रूडो ने पहले भी इस तरह की टिप्पणी की है। उनकी टिप्पणी एक बार फिर कनाडा में अलगाववाद, उग्रवाद और हिंसा को दिये गये राजनीतिक स्थान को दर्शाती है।'' ट्रूडो की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर जायसवाल ने कहा, ''यह न केवल भारत-कनाडा संबंधों को प्रभावित करता है, बल्कि कनाडा में उसके नागरिकों को क्षति पहुंचाने वाली हिंसा और आपराधिकता के माहौल को भी बढ़ावा देता है।''

भारत ने सोमवार को कनाडा के उप उच्चायुक्त को तलब किया था और ट्रूडो और कई अन्य नेताओं की मौजूदगी में कार्यक्रम में 'खालिस्तान' समर्थक नारे लगाए जाने पर उनके समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया था।

अरावली में अवैध खनन रोकें: उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र तथा राज्य सरकारों को सतत विकास और पर्यावरण सुरक्षा के बीच संतुलन बनाते हुए अरावली क्षेत्र में अवैध खनन रोकना चाहिए। न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति अभय एस. ओका की पीठ ने कहा कि सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। पीठ ने कहा, अरावली में अवैध खनन को रोकना होगा। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस संबंध में आवश्यक कदम उठाए जाएं, अन्यथा पहाड़ों के नाम पर केवल खोखली संरचनाएं होने का क्या फायदा? सतत विकास और पर्यावरण सुरक्षा के बीच संतुलन बनाना होगा।

केरल में लाइसेंस परीक्षण नियमों में सुधार, ड्राइविंग स्कूल संघों ने किया विरोध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल सरकार द्वारा ड्राइविंग लाइसेंस परीक्षण को अधिक कठिन तथा चुनौतीपूर्ण बना देने के बाद ड्राइविंग स्कूल संगठनों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा हैं।

केरल में तमाम संघों ने राज्यभर में प्रदर्शन शुरू कर दिया है जिससे ड्राइविंग लाइसेंस परिक्षण को निलंबित करना पड़ा है। वे नए सुधारों वाले मोटर वाहन विभाग के परिपत्र को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। केरल मोटर वाहन विभाग (एमवीडी) ने दो मई से नए बदलावों को लागू किया है।

ड्राइविंग स्कूल संघों के नेताओं का कहना है कि वे नए बदलावों के खिलाफ नहीं है पर इसे लागू करने के लिए और समय चाहते हैं। ये संघ मुख्य तौर पर प्रशिक्षण और लाइसेंस के लिए परीक्षण करने वाली गाड़ियों में डैशबोर्ड कैमरा लगाने और 15 साल से पुरानी गाड़ियों को उपयोग में नहीं लाने के फैसले का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम नए सुधारों के खिलाफ नहीं हैं। लेकिन हम कार्यान्वयन के लिए और समय की मांग करते हैं।

एक ड्राइविंग स्कूल के मालिक और 'ऑल केरल ड्राइविंग स्कूल ओनर्स एसोसिएशन' के सदस्य उन्नी ने कहा, हमें कोई प्रशिक्षण नहीं दिया गया है कि नए परीक्षण कैसे किए जाएं और नए परीक्षणों के संचालन के लिए कोई बुनियादी ढांचा भी तैयार नहीं किया गया है। उन्होंने मांग की है कि राज्य के सभी 84 परीक्षण केंद्रों में समान सुविधाएं हों और इन सभी केंद्रों में किए जाने वाले परीक्षण एक समान होने चाहिए। उन्नी कहते हैं कि इन सुधारों को लागू करने में सरकार की 'जल्दबाजी' का विरोध किया जा रहा है। उनहोंने कहा, केरल उच्च न्यायालय में पहले से ही एक मामला लंबित है और सरकार फैसले तक इंतजार क्यों नहीं कर सकती?'' संघ ने एमवीडी परिपत्र को चुनौती देने के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया है।

भाजपा ऐसे लोगों को आगे बढ़ाती है जो भ्रष्ट हैं: प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिरमिरी (छत्तीसगढ़)/भाषा। कांग्रेस नेता प्रियंका वाड्रा ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा में केवल दो तरह के नेताओं को बढ़ावा दिया जाता है, एक जो भ्रष्ट हैं और दूसरे वे जो लोगों के कल्याण के मुद्दे पर नहीं बोलते।

छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के चिरमिरी शहर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए वाड्रा ने यह बात कही। कोरबा लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना महंत के पक्ष में आयोजित इस रैली में वाड्रा ने कहा कि भाजपा की योजना लोगों को पांच किलो राशन देकर उन्हें अपने ऊपर निर्भर बनाना है। उन्होंने लोगों से उनसे रोजगार मांगने के लिए कहा।

वाड्रा ने दावा किया कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार में लोगों के अधिकार और देश की संपत्ति बड़े अरबपतियों को सौंपी जा रही है। उन्होंने कहा, लोगों को समझना होगा कि देश में किस तरह की राजनीति चल रही है और किस तरह के नेताओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, भाजपा में दो तरह के नेताओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। जो सबसे ज्यादा भ्रष्ट हैं।... उन्होंने दूसरे दलों के भ्रष्ट नेताओं पर आरोप लगाए, उन पर दबाव डाला और फिर उन्हें भाजपा में ले आए। भाजपा में शामिल होने के बाद वे नेता बेदाग हो गए और अब उन पर कोई मुकदमा नहीं चल रहा है।

वाड्रा ने कहा, दूसरे नेता वो हैं जो अपने भाषणों में आपके मुद्दों पर बात नहीं करते। वे महंगाई, आपकी चुनौतियों के बारे में बात नहीं करते। भाजपा में ऐसे दो तरह के नेताओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा, कांग्रेस में हम उन नेताओं को आगे बढ़ाने की कोशिश करते हैं जो लोगों को समझते हैं और उनके लिए काम करते हैं। हम देखते हैं कि वे लोगों के प्रति कितना समर्पित हैं।

कांग्रेस महासचिव ने कहा, आज लोग बड़ी-बड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं लेकिन उन पर बात नहीं हो रही है। वे जी-20, पाकिस्तान और चीन तथा बड़े आयोजनों के बारे में बात करते हैं, लेकिन आपके संघर्ष के बारे में बात नहीं की जा रही है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी का जवाब लोग अपने वोट से देंगे: सुनीता केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने यहां कहा कि लोग समझदार हैं और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री को जेल में डालने के भाजपा के कदम का जवाब अपने वोट से देंगे।

वह गुजरात के भरूच और भावनगर संसदीय क्षेत्रों में आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवारों के समर्थन में रैलियों में शामिल होने से पहले अहमदाबाद हवाई अड्डे पर पहुंचीं। उन्होंने हवाई अड्डे पर मीडियाकर्मियों से कहा, उन्होंने (भाजपा ने) अरविंद केजरीवाल को चुनाव के समय बलपूर्वक जेल में डाला है ताकि उनकी आवाज जनता तक नहीं पहुंचे। लेकिन लोग बहुत समझदार हैं और वे अपने वोट से जवाब देंगे। केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली सरकार की अब समाप्त हो चुकी आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। सुनीता के साथ चुनावी दौरे पर गए 'आप' के राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इन बयानों के लिए उन पर निशाना साधा कि वह धर्म के नाम पर मुसलमानों को आरक्षण नहीं देने देंगे। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री से पूछना चाहता हूं कि उन्हें ये सारी बातें चुनाव से पहले ही क्यों याद आती हैं? आप अपने काम के आधार पर वोट क्यों नहीं मांगते? मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री पाकिस्तान के सबसे बड़े दोस्त हैं।

भाजपा ने कैसरगंज से बृजभूषण शरण की जगह उनके बेटे करण भूषण को उम्मीदवार बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पिछले कुछ सप्ताह से जारी अटकलों पर बृहस्पतिवार को विराम लगाते हुए कैसरगंज लोकसभा सीट से मौजूदा सांसद बृजभूषण शरण सिंह का टिकट काट दिया और उनकी जगह उनके बेटे करण भूषण सिंह को इस सीट से उम्मीदवार घोषित किया है। बृजभूषण शरण सिंह महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे हैं।

पार्टी ने गांधी परिवार के गढ़ रायबरेली से दिनेश प्रताप सिंह को उम्मीदवार बनाया है। इस सीट से कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लगातार पांच बार जीत दर्ज की है। गांधी अब राज्यसभा की सदस्य हैं। कांग्रेस ने अभी तक इस सीट से अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है।

भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज कर दिया है। दिल्ली पुलिस ने उनके खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह 2019 में भी रायबरेली संसदीय सीट से भाजपा के उम्मीदवार थे। हालांकि उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा था।

दोनों सीटों पर लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होना है। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि तीन मई है।

जनता भाजपा से हताश, उसकी हार तय : पटोले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लातूर/भाषा। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार ने पिछले 10 साल में माल एवं सेवाकर (जीएसटी) के जरिये जनता को लूटा है और सार्वजनिक उपक्रमों के बेचकर देश को बर्बाद कर दिया है।

पटोले ने लातूर में संवाददाताओं से बतचीत में कहा कि केंद्र सरकार के प्रति जनता में बड़े पैमाने पर आक्रोश है और इसलिए ''भाजपा की हार तय है।

लातूर लोकसभा सीट से भाजपा ने अपने मौजूदा सांसद सुधाकर श्रंगारे को फिर से मैदान में उतारा है जबकि कांग्रेस ने नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. शिवाजी कलगे को अपना प्रत्याशी बनाया है। उन्होंने कहा, ...पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की आलोचना करने के बजाय भाजपा को बताना चाहिए कि उसने गत 10 साल में देश की अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए क्या कदम उठाए हैं।

पटोले ने दावा किया कि मनमोहन सिंह के शासनकाल में भारत की अर्थव्यवस्था कहीं बेहतर थी। उन्होंने कहा, लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जनता ने भाजपा के खिलाफ नाराजगी और आक्रोश व्यक्त किया है। भाजपा से युवा हताश हैं। महाराष्ट्र में 'इंडिया' गठबंधन के उम्मीदवार सभी 48 सीट पर जीत दर्ज करेंगे।

सैनिकों की चौकसी जांचने के लिए भेजा गया होगा: घुसपैठ की कोशिश पर बीएसएफ आईजी

सांबा/जम्मू/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मारे गए एक घुसपैठिए को संभवत: इलाके की जासूसी करने और सैनिकों की चौकसी के बारे में पता लगाने के लिए भेजा गया होगा। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने बुधवार रात में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सांबा की रीगल पोस्ट पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया और एक घुसपैठिए को मार गिराया। घटनास्थल से घुसपैठिए का शव बृहस्पतिवार को बरामद किया गया।

एक अग्रिम चौकी के दौरे पर पहुंचे बीएसएफ के महानिरीक्षक (आईजी) डीके बूरा ने यहां संवाददाताओं से कहा, बुधवार रात में करीब 8:15 बजे सैनिकों ने सीमा पार से हलचल देखी, जिस पर बारीकी से नजर रखी गई। घुसपैठिया पहले सीमा के करीब पहुंचा और फिर अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर गया। सैनिकों ने उसे ललकारा, बावजूद इसके वह तेजी से आगे बढ़ता रहा। दो बार और चुनौती दी गई, लेकिन वह रुका नहीं, जिसके बाद जवानों ने उस पर गोली चला दी। अधिकारी ने कहा कि घटनास्थल के पास तटबंध में एक खोखली जगह है और एक गेट भी है, जो आमतौर पर बंद रहता है। घुसपैठिए ने सीमा पार करने का प्रयास किया। ऐसी संभावना है कि सीमापार से और भी कुछ लोग उसके पीछे आ रहे थे लेकिन वे सैनिकों को दिखाई नहीं दिए।

आईजी ने कहा कि उसे संभवत: इलाके की जासूसी करने के लिए भेजा गया होगा। उन्होंने संदेह जताया कि वह घुसपैठ की योजना का हिस्सा हो सकता है। उन्होंने कहा कि अगर वह सीमा पार से घुसपैठ करने में सफल हो जाता तो उसके साथ ही उसके पीछे आ रहे अन्य लोग भी घुसपैठ करने में सफल हो जाते। उन्होंने कहा कि सीमा पर ऐसी रणनीति अपनाई जाती है।

इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार उत्पादों के आयात में चीन, हांगकांग की 56 प्रतिशत हिस्सेदारी: रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार और इलेक्ट्रिकल उत्पादों का आयात 2023-24 में बढ़कर 89.8 अरब डॉलर हो गया जिनमें से आधे से अधिक आयात चीन और हांगकांग से होता है। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने अपनी रिपोर्ट में यह बात कही है।

'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव' (जीटीआरआई) ने इस रिपोर्ट में कहा है कि भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार और इलेक्ट्रिकल क्षेत्र के कुल आयात में सर्वाधिक 43.9 प्रतिशत हिस्सेदारी चीन की है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन और हांगकांग पर इन उत्पादों के मामले में गहरी निर्भरता दिखती है और यह पिछले कुछ साल में नाटकीय रूप से बढ़ी है। इसके मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार आयात के मामले में चीन और हांगकांग पर निर्भरता को कम करना जरूरी है। यह न केवल आर्थिक लचीलापन बढ़ाने के लिए बल्कि तेजी से परस्पर जुड़ती जा रही दुनिया में भारत की डिजिटल और तकनीकी संप्रभुता की रक्षा के लिए भी जरूरी है। रिपोर्ट कहती है, ये क्षेत्र लाखों लोगों के दैनिक जीवन का अभिन्न अंग हैं। हालांकि चीन से आयात पर भारत की अत्यधिक निर्भरता देश की रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौतियां पेश करती है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि चीन पर अधिक निर्भरता भारत की आपूर्ति श्रृंखला के भीतर गंभीर खामियां उजागर करती है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने मालखाने से 70,000 किलोग्राम हेरोइन 'गायब होने' पर केंद्र से जवाब मांगा

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2018 से 2020 के बीच मालखाने से 70,772.48 किलोग्राम हेरोइन के गायब होने का आरोप लगाने वाली याचिका पर केंद्र सरकार का रुख जानना चाहा है।

न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने बी आर अरविंदाक्षन द्वारा दायर याचिका पर नोटिस जारी किया और केंद्र से चार सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने को कहा। पेशे से पत्रकार याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि 2018 से 2020 तक देश में दवाओं की जब्ती के संबंध में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट और गृह मंत्रालय के आंकड़ों के बीच भारी विसंगति है। अदालत ने बुधवार को पारित अपने आदेश में कहा, उन्होंने (याचिकाकर्ता) कहा है कि 2018 और 2020 के बीच कुल मिलाकर 70,772.48 किलोग्राम हेरोइन मालखाने से गायब हो गई है। नोटिस जारी करें। चार सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल किया जाए।

याचिकाकर्ता ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग पांच लाख करोड़ रुपए मूल्य की 70,000 किलोग्राम से अधिक हेरोइन का भयानक रूप से गायब होना राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और आर्थिक नतीजों को लेकर चिंताएं बढ़ाता है। याचिका में कहा गया है कि विसंगति की भयावहता इतनी बड़ी है कि अगर इसे तुरंत हल नहीं किया गया तो इससे समाज में अराजकता फैल सकती है, लेकिन इस मुद्दे पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। याचिका के अनुसार, याचिकाकर्ता ने जोर देकर कहा है कि भारत में जब्त की गई पांच लाख करोड़ रुपए की 70,772.54 किलोग्राम हेरोइन गायब हो गई है, इसलिए मंत्रालय पर जोर दिया गया है कि देश की सुरक्षा और कल्याण के लिए तत्काल जांच का आदेश दिया जाना चाहिए।

दो हजार रुपए के 97.76 प्रतिशत नोट वापस आए: आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को कहा कि बंद किए गए 2000 रुपए के 97.76 प्रतिशत नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं। केंद्रीय बैंक ने बताया कि सिर्फ 7,961 करोड़ रुपए के नोट अभी जनता के पास हैं।

आरबीआई ने बयान में कहा कि 19 मई, 2023 को 2000 रुपए के नोट को वापस लेने की घोषणा की गई थी। इस दिन के अंत में बाजार में मौजूद 2000 रुपए के नोटों का मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपए था। अब 30 अप्रैल, 2024 को बाजार में सिर्फ 7,961 करोड़ रुपए के नोट बाजार में हैं। बैंक ने कहा, इस प्रकार, 2000 रुपए के 97.76 प्रतिशत नोट वापस आ चुके हैं। हालांकि, 2000 रुपए का नोट वैध है। लोग देशभर में आरबीआई के 19 कार्यालयों पर 2000 रुपए के नोट जमा कर सकते हैं या उन्हें अन्य नोट से बदल सकते हैं। जनता 2000 के नोट भारतीय डाक के माध्यम से भी आरबीआई के किसी भी कार्यालय में भेजकर उनके बराबर मूल्य की राशि अपने बैंक खातों में जमा करा सकती है। आरबीआई द्वारा नवंबर, 2016 में 1000 रुपए और 500 रुपए के नोट बंद करने के बाद 2000 रुपए के नोट जारी किए गए थे।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक के लिए 2023-24 कई मायनों में उल्लेखनीय साल: सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एयरटेल पेमेंट्स बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनुब्रत बिस्वास ने वित्त वर्ष 2023-24 को 'उल्लेखनीय साल' बताते हुए कहा है कि इस अवधि में उपयोगकर्ताओं की संख्या, राजस्व और लाभ जैसे प्रमुख मानकों पर दहाई अंक में वृद्धि हुई है।

बिस्वास ने कहा कि 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष 2023-24 का हिसाब-किताब अभी पूरा नहीं हो पाया है लेकिन उपलब्ध आंकड़ों से राजस्व, उपयोगकर्ता और लाभ जैसे मानकों पर ऊंचे दहाई अंक में वृद्धि होने की संभावना दिख रही है। भारती एयरटेल की भुगतान इकाई एयरटेल पेमेंट्स बैंक के आज पूरे देश में लगभग 5,00,000 बैंकिंग सुविधा केंद्र मौजूद हैं। बिस्वास ने कहा कि डिजिटल बैंकिंग की रफ्तार कायम रहने वाली है। उन्होंने कहा, शहरी उपयोगकर्ताओं की बढ़ती संख्या उनके भुगतान और लेनदेन की जरूरतों के लिए द्वितीयक डिजिटल बैंकिंग विकल्प चाहती है। इस कारोबार में हमने पिछले तीन-छह महीनों में नाटकीय उछाल देखा है और इससे राजस्व बढ़ा है। उन्होंने एयरटेल पेमेंट्स बैंक का ग्रामीण बाजारों में वर्चस्व होने का दावा करते हुए कहा, ग्रामीण और शहरी दोनों बाजारों को मिलाकर हम अब एक महीने में 10 लाख खाते खोल रहे हैं। यह रफ्तार संरचनात्मक है जिसका मतलब है कि हम अगले कुछ वर्षों को लेकर भी बेहद उत्साहित हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या प्रतिद्वंद्वी पेटीएम पेमेंट्स बैंक के संकट में फंसने के बाद नए खाते खोलने की दर में तेजी आई है, बिस्वास ने कहा कि बी2बी और ग्रामीण व्यवसाय के संदर्भ में स्थिति कमोबेश समान रही है। लेकिन शहरी ग्राहकों की ओर से डिजिटल पक्ष में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। बिस्वास ने कहा कि वह वित्त वर्ष 2024-25 और आने वाले वर्षों में बाजार की वृद्धि की संभावनाओं को लेकर आशावादी हैं।

अंबाला में इथेनॉल फैक्टरी में आग लगी, कोई हताहत नहीं

अंबाला/भाषा। जिले में एक इथेनॉल फैक्टरी के बॉयलर में बृहस्पतिवार को भीषण आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस दुर्घटना में कोई घायल नहीं हुआ। अंबाला कैंट दमकल स्टेशन के अग्निशमन अधिकारी प्रमोद कुमार ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए अंबाला कैंट, अंबाला शहर, नारायणगढ़ और पंचकुला के बरवाला से 10 से अधिक दमकल गाड़ियों को बुलाया गया था। यह फैक्टरी जिले में नारायणगढ़ के पास जटबर गांव में स्थित है। कुमार ने बताया कि आग लगने की सूचना सुबह मिली।

अधिकारियों ने कहा कि इथेनॉल बॉयलरों में 2.5 लाख लीटर तेल था और घटना के बाद क्षेत्र में घना धुआं फैल गया। उन्होंने बताया कि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि आग किस वजह से लगी।

अधिकारियों ने बताया कि घटना की जांच की जाएगी और फैक्टरी के आग बुझाने के इंतजाम की भी जांच होगी।

देश का सेवा निर्यात मार्च में मामूली घटकर 30 अरब डॉलर पर

मुंबई/भाषा। देश का सेवा निर्यात मार्च में 1.3 प्रतिशत घटकर 30 अरब डॉलर रहा। वहीं आयात 2.1 प्रतिशत कम होकर 16.61 अरब डॉलर रहा।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के देश के अंतरराष्ट्रीय सेवा व्यापार के आंकड़ों के अनुसार, इस साल मार्च में 13.4 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष रहा।

सेवा निर्यात और आयात दोनों पिछले दो महीनों में सकारात्क दायरे में रहे हैं। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में सेवा निर्यात 339.62 अरब डॉलर और आयात 177.56 अरब डॉलर रहा। व्यापार अधिशेष यानी निर्यात और आयात का अंतर आलोच्य वित्त वर्ष में 162 अरब डॉलर रहा। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद कुल निर्यात (वस्तु और सेवा) 2023-24 में 776.68 अरब डॉलर का रहा जो 2022-23 में 776.40 अरब डॉलर था।

बांग्लादेश को निर्यात प्रभावित होने से नागपुर के संतरा उत्पादक परेशान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काटोल (महाराष्ट्र)/भाषा। मध्य भारत के नागपुर के आसपास के तपते खेतों में प्याज ने 'व्यापार युद्ध' में संतरे को कड़ी टक्कर दी है। संतरे के लिए प्रसिद्ध महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के हजारों किसानों के पास इस फल का अधिशेष भंडार है और परस्पर विरोधी विदेशी व्यापार नीतियों, बाजार शक्तियों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार निर्भरता के जटिल ताने-बाने के कारण इसे अपने मुख्य निर्यात बाजार बांग्लादेश में बेचने में असमर्थ हैं।

संतरा उत्पादक पिछले साल तक रोजाना 6,000 टन फल बांग्लादेश भेजते थे, लेकिन ढाका द्वारा संतरे पर आयात शुल्क वर्ष 2019 में 20 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़ाकर नवंबर, 2023 में 88 रुपए प्रति किलोग्राम करने के बाद यह व्यापार कम हो गया। बांग्लादेश में संतरे की कीमत इतनी अधिक है कि स्थानीय व्यापारियों के लिए भारत से संतरे खरीदना लाभ का सौदा नहीं रह गया है।

नागपुर संतरा फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी के अध्यक्ष मनोज जावंजाल ने नागपुर से लगभग 60 किलोमीटर पश्चिम में अपने बगीचे में संतरे के पेड़ों की कतारों के बीच से गुजरते हुए पीटीआई-भाषा को बताया, अब हम प्रतिदिन मुश्किल से 100 टन या पांच ट्रक संतरे भेज पाते हैं। विदर्भ के किसानों का मानना है कि घरेलू बाजार की सुरक्षा के लिए भारत द्वारा स्थानीय व्यंजनों के प्रमुख उत्पाद, प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के बाद बांग्लादेश ने प्रतिशोध में आयात शुल्क बढ़ा दिया है।

पिछले महीने के अंत में, सरकार ने प्याज पर निर्यात प्रतिबंध में ढील दी, जो पिछले साल दिसंबर में लगाया गया था, जिससे बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, भूटान, बहरीन, मॉरीशस और श्रीलंका को इसके निर्यात की अनुमति मिल गई।

भाजपा के लिए '200 पार' करना भी चुनौती, बहुमत नहीं मिलेगा: थरूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हार 'निश्चित' बताते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल का '400 पार' का दावा एक मजाक है, 300 पार' असंभव है। उनके अनुसार भाजपा के लिए यहां तक कि '200 पार' करना भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। थरूर ने यहां पीटीआई मुख्यालय में संपादकों के साथ बातचीत में यह दावा भी किया कि केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में भाजपा को एक भी सीट नहीं मिलेगी और दक्षिण भारत में इसका प्रदर्शन 2019 से भी खराब रहेगा। उन्होंने कहा कि वह कर्नाटक में भी अपना पिछला प्रदर्शन नहीं दोहरा पाएगी जब उसे 28 में से 25 सीट मिली थीं।

लोकसभा चुनाव में थरूर का मुकाबला केरल की तिरुवनंतपुरम सीट पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा उम्मीदवार राजीव चंद्रशेखर और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) प्रत्याशी पी. रवींद्रन से है। इस सीट पर 26 अप्रैल को मतदान हो चुका है और निवर्तमान सांसद थरूर ने यहां से अपनी 'बहुत आसान जीत' की उम्मीद जताई।

थरूर अगर इस चुनाव में तिरुवनंतपुरम से जीत जाते हैं तो यह उनकी लगातार चौथी जीत होगी। वह इस क्षेत्र का सबसे अधिक समय तक संसद में प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद हैं। तिरुवनंतपुरम में करीब दो महीने तक जोरदार प्रचार में भाग लेने के बाद दिल्ली लौटे कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य अब देश के अन्य हिस्सों में पार्टी के लिए प्रचार करेंगे। थरूर की भाषण शैली और उनकी लोकप्रियता की वजह से कई क्षेत्रों में उनकी मांग है। मतदान के दो चरण के बाद कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के प्रदर्शन को लेकर थरूर की राय पूछे जाने पर उन्होंने कहा, अभी तक 190 सीट पर मतदान हुआ है और मुझे जो अपने सूत्रों से पता चल रहा है कि यह हमारे लिए बहुत सकारात्मक है। हम यह नहीं कह रहे कि हमारी जबरदस्त लहर है लेकिन निश्चित रूप से सरकार के लिए भी ऐसी स्थिति नहीं है। थरूर ने कहा, वास्तव में, जो लोग कुछ समय से चुनावों पर नजर रख रहे हैं, उनका कहना है कि इस चुनाव और 2014 और 2019 के चुनावों के बीच अंतर यह है कि भाजपा मतदाताओं में उदासीनता और उत्साह की कमी दिखाई दे रही है। उनके मुताबिक हिंदी भाषी राज्यों की जिन सीटों पर अब तक मतदान हुआ है, वहां कांग्रेस नेताओं में एक उम्मीद है।

विरोध

कलबुर्गी में गुरुवार को केपीसीसी महिला विंग कार्यकर्ताओं ने जेडीएस सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना की गिरफ्तारी की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

प्रज्ज्वल रेवन्ना के भाई ने कहा

हमारे परिवार को राजनीतिक रूप से कमजोर करने की साजिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन। जनता दल (सेक्युलर) के विधान पार्षद (एमएलसी) सूरज रेवन्ना ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनके भाई और हासन से सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन शोषण का आरोप उनके परिवार को राजनीतिक रूप से कमजोर करने की साजिश है। सूरज ने दावा किया कि उन्हें प्रज्ज्वल रेवन्ना के ठिकाने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रज्ज्वल से जुड़े कथित सेक्स स्कैंडल को लेकर विशेष जांच दल (एसआईटी) ने उन्हें (प्रज्ज्वल को) नोटिस भेजा है।

उन्होंने अपने सांसद भाई प्रज्ज्वल तथा अपने विधायक पिता एच. डी. रेवन्ना के खिलाफ यौनशोषण के आरोपों को उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर करने की साजिश करार दिया तथा लोकसभा चुनाव में प्रज्ज्वल की जीत के प्रति भरोसा जताया। एच डी रेवन्ना जद (एस) के मुखिया एवं पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा के बेटे हैं। देवेगौड़ा के पोते प्रज्ज्वल हासन लोकसभा क्षेत्र से भाजपा-जद(एस) गठबंधन के उम्मीदवार थे। इस क्षेत्र में 26 अप्रैल को मतदान हुआ था। सूरज रेवन्ना ने यहां पत्रकारों से कहा, (प्रज्ज्वल रेवन्ना से जुड़ा सेक्स स्कैंडल) मामला जांच के लिए (एसआईटी को) सौंप दिया गया है, जो भी साबित होना होगा, वह हो जाएगा। मैं इसपर कैसे प्रतिक्रिया दे सकता हूं? मुझे प्रज्ज्वल रेवन्ना के बारे में जानकारी नहीं है।

अपने पिता एच. डी. रेवन्ना के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज किये जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, उन्हें एक हजार और प्राथमिकी दर्ज करने दीजिए, जो साबित करना है वह आखिरकार साबित हो जाएगा। हमारे तालुक और जिले के लोग जानते हैं कि रेवन्ना क्या हैं। मैं प्रतिक्रिया देना नहीं चाहता। उन्होंने यह भी कहा, राजनीतिक द्वेष के कारण कोई भी कुछ भी कर सकता है। अगर आप हासन की राजनीति को लें तो रेवन्ना का कोई प्रतिस्पर्धी नहीं है। उनके जैसी राजनीति करने वाला कोई नहीं है। उन्हें कमजोर करने के लिए ये सभी साजिशें रची जा रही हैं।

प्रज्ज्वल रेवन्ना से जुड़े कई वीडियो क्लिप हाल ही में हासन में प्रसारित होने लगे थे। राज्य सरकार ने सांसद से जुड़े कथित सेक्स स्कैंडल की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। एसआईटी ने मंगलवार को प्रज्ज्वल और उनके पिता एच. डी. रेवन्ना को नोटिस जारी किये और जांच के लिए पेश होने का निर्देश दिया है।

उनके खिलाफ घरेलू सहायिका की शिकायत के आधार पर 28 अप्रैल को हासन जिले के होलेनरसीपुरा पुलिस थाने में कथित यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया था। मतदान के अगले दिन 27 अप्रैल को जर्मनी के लिए कथित तौर पर रवाना हुए प्रज्ज्वल ने बुधवार को एसआईटी के सामने पेश होने के लिए सात दिन का समय मांगा है।

हम प्रधानमंत्री मोदी से सवाल कर रहे हैं क्योंकि उन्होंने प्रज्ज्वल के लिए वोट मांगा था : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि जनता दल सेक्युलर के सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना से जुड़े कथित सेक्स स्कैंडल को लेकर कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सवाल पूछ रही है क्योंकि उन्होंने लोकसभा चुनाव में उनके (प्रज्ज्वल) के लिए प्रचार किया था। जद(एस) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष एच.डी.कुमारस्वामी ने हाल में ही पूछा था कि कांग्रेस क्यों मामले में प्रधानमंत्री से सवाल कर रही है। इस बारे में संवाददाताओं द्वारा पूछे गए सवाल पर शिवकुमार ने उक्त टिप्पणी की। पूर्व प्रधानमंत्री एवं जद (एस) के शीर्षस्थ नेता एच. डी. देवेगौड़ा के पोते प्रज्ज्वल रेवन्ना महिलाओं का यौन शोषण करने के आरोपों का सामना कर रहे हैं। हासन लोकसभा सीट से प्रज्ज्वल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रत्याशी हैं जहां पर 26 अप्रैल को मतदान हुआ था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं जनता दल सेक्युलर (जदएस) का पिछले साल सितंबर में गठबंधन हुआ था। शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा, ''प्रधानमंत्री ने आरोपी प्रज्ज्वल रेवन्ना के लिए प्रचार किया। वह राजग के उम्मीदवार हैं, इसलिए हम उनसे सवाल कर रहे हैं।'' हासन से सांसद 33 वर्षीय प्रज्ज्वल से कथित रूप से जुड़े कई अश्लील वीडियो एवं तस्वीर हाल के दिनों में वायरल हुए हैं। एक सवाल के जवाब में कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार ने कहा कि भाजपा का एक भी नेता प्रज्ज्वल मुद्दे पर पीड़िताओं के पक्ष में बात नहीं कर रहा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं, देवेगौड़ा और कुमारस्वामी को पीड़िताओं के घर जाकर संवेदना व्यक्त करनी चाहिए। शिवकुमार ने कहा, ''जब वे कहते हैं कि उनके मन में महिलाओं के प्रति सम्मान हैं और जब पार्टी कार्यकर्ताओं (पीड़िताओं) की तस्वीर हैं तो उन्हें उनसे जाकर मिलना चाहिए। वे उनसे क्यों मुलाकात नहीं कर रहे हैं?

जरूरी नहीं कि 'जाओ फांसी लगा लो' कहना भर आत्महत्या के लिए उकसाना हो : कर्नाटक उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 'जाओ फांसी लगा लो' कहने मात्र को आत्महत्या के लिए उकसाने की श्रेणी में रखने से मना कर दिया है। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने आपत्तिजनक बयानों से जुड़े आत्महत्या के लिए उकसाने के मामलों की जटिलाओं को दूर के मुद्दे पर विचार कर रहे थे। अदालत का यह फैसला तटीय कर्नाटक के उडुप्पी में एक गिरजाघर में पादरी की मौत के सिलसिले में एक व्यक्ति के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपों से जुड़ी एक याचिका से संबंधित है।

याचिकाकर्ता पर आरोप है कि उसने पादरी को कहा 'जाओ फांसी लगा लो' और इससे आवेश में आकर पादरी ने फांसी लगा ली। पादरी और याचिकाकर्ता की पत्नी के बीच कथित संबंध थे और इसी मुद्दे पर दोनों के बीच बहस हो रही थी। बचाव पक्ष के वकील ने तर्क दिया कि यह टिप्पणी कथित संबंध का पता चलने पर व्यथित होकर की गई थी और पादरी ने जीवन समाप्त करने का निर्णय इसलिए लिया क्योंकि अन्य लोगों को इसके बारे में पता चल गया था, न कि आरोपी के कहने पर उसने ऐसा किया। वहीं दूसरे पक्ष के वकील ने तर्क दिया कि पादरी ने अपनी जान इसलिए ली क्योंकि आरोपी ने संबंध के बारे में सबको जानकारी देने की धमकी दी थी। हालांकि एकल न्यायाधीश की पीठ ने उच्चतम न्यायालय के पूर्व के निर्णयों के आधार पर इस बात पर जोर दिया कि सिर्फ ऐसे बयानों को आत्महत्या के लिए उकसाने वाला नहीं माना जा सकता। अदालत ने पादरी की आत्महत्या के पीछे अनेक कारणों को जिम्मेदार ठहराया मसलन एक पिता और पादरी होने के बावजूद उसका कथित अवैध संबंध होना। अदालत ने मानव मनोविज्ञान की जटिलताओं का जिक्र करते हुए मानव मन को समझने की चुनौती को रेखांकित किया और आरोपी के बयान को आत्महत्या के लिए उकसाने के रूप में वर्गीकृत करने से मना कर दिया।

प्रज्ज्वल की जर्मनी यात्रा पर विदेश मंत्रालय ने कहा

कोई मंजूरी न तो मांगी गई, न दी गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि निलंबित जद (एस) सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना की जर्मनी यात्रा के संबंध में न तो उससे कोई राजनीतिक मंजूरी मांगी गई और न ही (कोई मंजूरी) जारी की गई। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह भी कहा कि राजनयिक पासपोर्ट धारकों को जर्मनी की यात्रा के लिए किसी वीजा की आवश्यकता नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते रेवन्ना पर अनेक महिलाओं के यौन उत्पीड़न का आरोप है और माना जा ता है कि वह जर्मनी में हैं। जनता दल (सेक्युलर) ने हासन से सांसद को पहले ही पार्टी से निलंबित कर दिया है।

जायसवाल ने सांसद की कथित जर्मनी यात्रा को लेकर सवालों का जवाब देते हुए अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, उक्त सांसद की जर्मनी यात्रा के संबंध में हमसे कोई राजनीतिक मंजूरी न तो मांगी गई और न ही यह जारी की गई।

मंत्रालय ने किसी अन्य देश के लिए भी कोई वीजा नोट जारी नहीं किया है। यह पूछे जाने पर कि क्या रेवन्ना पर यौन उत्पीड़न के आरोपों के मद्देनजर विदेश मंत्रालय उनका पासपोर्ट रद्द करने पर विचार कर सकता है, जायसवाल ने कोई सीधा जवाब नहीं दिया।

उन्होंने कहा, जहां तक किसी व्यक्ति के पासपोर्ट के संभावित निरस्तीकरण का संबंध है, मैं आपको पासपोर्ट अधिनियम 1967 के प्रासंगिक प्रावधानों के बारे में बताऊंगा। हमें इस संबंध में किसी भी अदालत से कोई निर्देश प्राप्त नहीं हुआ है। कर्नाटक सरकार ने रेवन्ना के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है।

गुरुवार को शिवमोग्गा में कांग्रेस की चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी, एआईसीसी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार।

प्रज्ज्वल रेवन्ना घोर दुराचारी; 400 महिलाओं को बनाया शिकार; प्रधानमंत्री माफी मांगें : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि कर्नाटक के हासन लोकसभा सीट से मौजूदा सांसद और जनता दल सेक्युलर (जद-एस) नेता प्रज्ज्वल रेवन्ना ने 400 महिलाओं से दुष्कर्म किया है। उन्होंने साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी प्रज्ज्वल के पक्ष में लोगों से मतदान की अपील करने पर माफी की मांग की।

शिवमोग्गा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें भारत की महिलाओं से एक ''घोर दुराचारी'' के पक्ष में वोट की अपील करने पर माफी मांगनी चाहिए। पूर्व प्रधानमंत्री एवं जद एस के शीर्षस्थ नेता एच. डी. देवेगौड़ा के पोते प्रज्ज्वल रेवन्ना महिलाओं का यौन शोषण करने के आरोपों का सामना कर रहे हैं। राज्य सरकार ने इस पूरे प्रकरण की जांच कराने के लिए विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया है। हासन से सांसद 33 वर्षीय प्रज्ज्वल से कथित रूप से जुड़े कई अश्लील वीडियो एवं तस्वीर हाल के दिनों में वायरल हुए हैं।

हासन लोकसभा सीट से प्रज्ज्वल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रत्याशी हैं जहां पर 26 अप्रैल को मतदान हुआ था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं जनता दल सेक्युलर (जदएस) का पिछले साल सितंबर में गठबंधन हुआ था। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया, प्रधानमंत्री को देश की माताओं और बहनों से माफी मांगनी चाहिए। प्रज्ज्वल रेवन्ना ने 400 महिलाओं से दुष्कर्म किया है और उनका वीडियो बनाया। यह सेक्स स्कैंडल नहीं है बल्कि व्यापक पैमाने का दुष्कर्म है।

उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री ने कर्नाटक में मंच से एक घोर दुराचारी का समर्थन किया। उन्होंने (मोदी ने) कर्नाटक में कहा कि अगर आपने बलात्कारी के पक्ष में मतदान किया तो इससे मुझे मदद मिलेगी।'' गांधी ने कहा, कर्नाटक की सभी महिलाओं से प्रधानमंत्री जब मत देने को कहें तो उन्हें जानना चाहिए कि प्रज्ज्वल ने क्या किया? उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रत्येक नेता को पता था कि प्रज्ज्वल घोर दुराचारी' है और इसके बावजूद उनका समर्थन किया और जद(एस) के साथ गठबंधन किया।

गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री ने भारत की प्रत्येक महिला का अपमान किया है। प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के सभी नेताओं को देश की प्रत्येक महिला से माफी मांगनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी नेता ने घोर दुराचारी'के पक्ष में मतदान करने की अपील नहीं की है। गांधी ने कहा, पूरी दुनिया में खबर है कि प्रधानमंत्री ने घोर दुराचारी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। यह भाजपा की विचारधारा है। वे गठबंधन करने के लिए तैयार रहते हैं और सत्ता के लिए सब कुछ करते हैं।

प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

कलबुर्गी। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने बृहस्पतिवार को कहा कि महिलाओं के यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे हासन से जनता दल (एस) सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना को गिरफ्तार करने के लिए लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है। प्रज्ज्वल इस समय विदेश में हैं। इस वजह से विशेष जांच दल (एसआईटी) के सामने पेश होने के लिए सात दिन और मांगे जाने पर उन्होंने कहा कि 24 घंटे से अधिक समय देने का प्रावधान नहीं है। एसआईटी मामले की जांच कर रही है।

मंत्री ने संवाददाताओं से कहा,''यह लुकआउट नोटिस यह पता चलने के तुरंत बाद जारी किया गया कि प्रज्ज्वल रेवन्ना विदेश चले गए हैं। सभी बंदरगाहों और हवाई अड्डों को इस बारे में बता दिया गया है।'' प्रज्ज्वल रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री और जद (एस) संरक्षक एचडी देवेगौड़ा के पोते और विधायक व पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना के बेटे हैं। इसके पहले हाल के दिनों में हासन में कथित तौर पर सांसद से जुड़े कुछ वीडियो क्लिप प्रसारित होने लगे थे। वे हासन लोकसभा क्षेत्र से एनडीए के उम्मीदवार हैं। इस सीट पर 26 अप्रैल को मतदान हुआ था।

गृहमंत्री परमेश्वर ने आगे कहा, आरोपी को समय दिए जाने के बारे में एसआईटी के सदस्य कानूनी राय ले रहे हैं। एसआईटी उन्हें गिरफ्तार करने के लिए कदम उठाएगी, क्योंकि 24 घंटे से अधिक समय देने का प्रावधान नहीं है। इससे पहले एक महिला ने प्रज्ज्वल और उनके पिता के खिलाफ यौन उत्पीड़न को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

नीति, नेतृत्व विहीन है इंडि गठबंधन : सीटी रवि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व राज्य मंत्री सीटी रवि ने सवाल किया कि कांग्रेस का नेता कौन है। गुरुवार को वे बेलगावी में एक प्रेस कान्फ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने पूछा कि इंडि गठबंधन का मुख्य सरदार कौन है। जहां आपके पास नेतृत्व नहीं है तो आपके पास कोई नैतिकता नहीं है। उन्होंने गठबंधन की आलोचना करते हुए कहा कि जब नेतृत्व नहीं है तो दिशा भी नहीं है नीति भी नहीं है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी मोहब्बत की दुकान की बात करते थे और दुकान में नफरत की बिक्री करते हैं। वह स्वयं नफरत फैला रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि 'भाजपा का घर बर्बाद हो जाए'। उन्होंने विश्लेषण किया कि ऐसा लगता है कि वे चाहते हैं कि अगर सबसे बड़ी पार्टी बर्बाद हो जाए तो भारत नष्ट हो जाए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता अपनी हार की चिंता के चलते बहुत ही बेतुके बयान दे रहे हैं। कल कांग्रेस पार्टी के कागवाड निर्वाचन क्षेत्र के विधायकों ने कहा कि अगर मोदी मर जाएंगे तो कोई और प्रधानमंत्री बन जाएगा। साथ ही उन्होंने वोटरों को धमकी देते हुए कहा है, 'अगर कांग्रेस पार्टी को कम लीड मिली तो हम बिजली काट देंगे।' रवि ने कहा कि यही उनकी मोहब्बत की दुकान के प्यार भरे शब्द हैं। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बेंगलूरु में एक अपार्टमेंट की बैठक के दौरान कहा था कि कांग्रेस को वोट नहीं दिया तो पानी और स्वच्छता की समस्या होगी। कांग्रेस के मंत्री शिवराज तंगाडगी ने मोदी का नाम लेने वाले युवाओं को थप्पड़ मारने की बात कही है। रवि ने मल्लिकार्जुन खरगे की इस बात पर आपत्ति जताई कि उन्होंने प्रधानमंत्री की तुलना जहरीले सांप से की है। सीटी रवि ने बताया कि कर्नाटक के पहले चरण का मतदान हो गया है दूसरे चरण का चुनाव बाकी है। भाजपा जनता के समक्ष तीन मुख्य मुद्दे रखकर वोट मांग रही है। हम अपनी पार्टी की नीति, पार्टी के नेतृत्व और अपनी प्रतिबद्धता 'देश पहले, सबका साथ सबका विकास की नीति पर वोट मांग रहे हैं। भारत और भारतीयों को सुरक्षित रखना, भारत को नंबर 1 आर्थिक शक्ति बनाना हमारी नीति है। उसी के अनुरूप हमने अपना प्रदर्शन दिखाया है।

इस मौके पर बेलगावी ग्रामीण जिला अध्यक्ष सुभामी पाटिल, प्रमुख मुरागेंद्र, एमबी जिरली, राज्य मीडिया समिति के सदस्य सरथ हेगड़े, सिद्दन गौड़ा, बेलगावी जिला मीडिया समन्वयक हनुमंत कोंगले, भाजपा नेता चंद्रकांत आदि उपस्थित थे।

बिटकॉइन घोटाला मामले में पुलिस अधिकारियों की अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बिटकॉइन घोटाला मामले में आरोपी एक पुलिस निरीक्षक और एक उपाधीक्षक को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। सत्र अदालत पहले ही आरोपी पुलिस निरीक्षक चंद्रधर एस. आर. और उपाधीक्षक श्रीधर के. पुजार की जमानत याचिकाएं खारिज कर चुकी है।

न्यायमूर्ति राजेन्द्र बादामीकर ने फैसला सुनाते समय याचिकाकर्ताओं की स्थिति को देखते हुए रिकॉर्ड में संभावित हेरफेर और सबूत नष्ट किए जाने की आशंका को लेकर चिंता जताई। उन्होंने जोर देकर कहा कि आरोपों में सबूतों को नष्ट करने का प्रयास शामिल है, जिससे उनकी जमानत याचिकाएं बेमानी हो जाती हैं।

अपराध जांच विभाग का पक्ष रखे विशेष लोक अभियोजक बी. एन. जगदीश ने कहा कि आरोपी अधिकारी धन और बिटकॉइन के हस्तांतरण समेत अवैध गतिविधियों में संलिप्त थे। सीआईडी यह भी कहा कि अधिकारियों ने सबूत नष्ट करने और कानूनी परिणामों से बचने के लिए अन्य आरोपियों के साथ मिलीभगत की।

समानता के इच्छुक लोगों को नक्सली बताने वाले नड्डा इस्तीफा दें : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने यह आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के इस्तीफे की बृहस्पतिवार को मांग की कि भाजपा नेता ने समानता चाहने वालों को नक्सली करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा नेताओं ने एक बार फिर संविधान पर हमला बोला है। नड्डा कह रहे हैं कि यदि दलित, पिछड़ी जातियां और आदिवासी समानता चाहते हैं तो वे नक्सली हैं। संविधान पर इससे बड़ा कोई हमला नहीं हो सकता।

गांधी ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा अध्यक्ष को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए और प्रधानमंत्री को संविधान पर हमले के लिए दलितों, आदिवासियों और अन्य पिछड़ा वर्ग से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा है कि उनकी पार्टी संविधान की रक्षा करेगी। उन्होंने कहा, यदि भाजपा संविधान की रक्षा करना चाहती है, तो उसके अध्यक्ष समानता पर हमला क्यों कर रहे हैं? वह समानता की मांग करने वालों को नक्सली क्यों कहते हैं? प्रधानमंत्री को इसका जवाब देना चाहिए। गांधी ने आरोप लगाया कि 2024 का लोकसभा चुनाव पहला ऐसा चुनाव है जिसमें भाजपा नेताओं ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वे भारत के संविधान को बदल देंगे और खत्म कर देंगे। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस संविधान को बचाने की लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने कहा कि संविधान में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि समाज में समानता और आरक्षण होना चाहिए।

विधान परिषद की छह सीट के लिए तीन जून को चुनाव

बेंगलूरु। कर्नाटक में विधान परिषद की छह सीट के लिए तीन जून को चुनाव होगा जबकि मतगणना छह जून को होगी। भारत निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। ये सीट वर्तमान विधान परिषद सदस्यों के सेवानिवृत्त होने के बाद खाली हुई हैं। ये सीटें तीन स्नातक और तीन शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित हैं। आयोग के एक बयान के अनुसार, कर्नाटक उत्तर-पूर्व स्नातक क्षेत्र से निर्वाचित डॉ. चंद्रशेखर बी पाटिल, कर्नाटक दक्षिण-पश्चिम स्नातक क्षेत्र के अयनुरु मंजूनाथ, बेंगलूरु स्नातक क्षेत्र के ए. देवेगौड़ा, कर्नाटक दक्षिण-पूर्व शिक्षण क्षेत्र के डॉ. वाई ए नारायणस्वामी, कर्नाटक दक्षिण-पश्चिम शिक्षण क्षेत्र के एस एल भोजे गौड़ा और कर्नाटक दक्षिण शिक्षण क्षेत्र के मारिथिब्बे गौड़ा 21 जून को सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

राहत

बहुत दिनों से तेज गर्मी की तपश झेल रहा बेंगलूरु शहर में गुरुवार शाम को कई जगह बारिश हुई और तेज हवाएं चलीं। तेज आंधी के चलते शहर के विजयनगर में एक पेड़ गिर गया और बिजली का खंभा क्षतिग्रस्त हो गया।

राजस्थान सरकार सुनिश्चित करे कि प्रदेश में कोई बाल विवाह नहीं हो : उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में अक्षय तृतीया से पहले उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि राज्य में कोई बाल विवाह नहीं हो। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि बाल विवाह होने पर सरपंच और पंच को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। बाल विवाह की कई घटनाएं मुख्य रूप से अक्षय तृतीया पर होती हैं। अक्षय तृतीया इस बार 10 मई को है। उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने बाल विवाह को रोकने के लिए हस्तक्षेप की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए बुधवार को अपने आदेश में कहा कि बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 लागू होने के बावजूद, राज्य में बाल विवाह अब भी हो रहे हैं।

अदालत ने कहा कि हालांकि अधिकारियों के प्रयासों के कारण बाल विवाह की संख्या में कमी आई है, लेकिन अब भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। याचिकाकर्ताओं के वकील आरपी सिंह ने कहा कि अदालत को एक सूची भी उपलब्ध कराई गई जिसमें बाल विवाह और उनकी निर्धारित तिथियों का विवरण था।

खंडपीठ ने कहा, राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के अनुसार, बाल विवाह को प्रतिबंधित करने का कर्तव्य सरपंच पर डाला गया है। इस प्रकार, एक अंतरिम उपाय के रूप में, हम राज्य को निर्देश देंगे कि वह राज्य में होने वाले बाल विवाह को रोकने के लिए की गई जांच के संबंध में रिपोर्ट मांगे और उस सूची पर भी पैनी नजर रखे जो जनहित याचिका के साथ संलग्न है।

आदेश में कहा गया है, उत्तरदाताओं को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि राज्य में कोई बाल विवाह नहीं हो। सरपंच और पंच को संवेदनशील बनाया जाना चाहिए और उन्हें सूचित किया जाना चाहिए कि यदि वे बाल विवाह को रोकने में विफल रहते हैं, तो बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 की धारा 11 के तहत उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

निर्माणाधीन मकान की छत गिरने से मलबे में दबे दो मजदूर की मौत

धौलपुर। राजस्थान में धौलपुर जिले के कबाडी कोतवाली थाना क्षेत्र में बुधवार रात एक निर्माणाधीन मकान की छत ढह जाने से मलबे में दबकर दो मजदूरों की मौत हो गई जबकि छह अन्य मजदूर घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि संत नगर रोड इलाके में नीरज ठाकुर के मकान का निर्माण कार्य चल रहा था, इस दौरान तीसरी मंजिल पर छत डाली जा रही थी। उसके अनुसार दस मजदूर मौके पर निर्माण कार्य में लगे थे तभी अचानक ईंट का पिलर के गिरने से छत भरभरा कर गिर गई एवं मलबे में करीब आठ लोग दब गये।

पुलिस का कहना है कि इन आठ घायलों को उपचार के लिये अस्पताल ले जाया गया जहां लखन लोधा (35) और भोला (26) नामक दो मजदूरों की उपचार के दौरान मौत हो गई। उसके मुताबिक छह अन्य घायल मजदूरों का उपचार धौलपुर के जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसने बताया कि प्रारंभिक जांच में निर्माणाधीन मकान में सुरक्षा मानकों की अनदेखी तथा लापरवाही के चलते हादसा होने की बात सामने आयी है। उसने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिये गये। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई, 7 किलो अफीम का दूध बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जैसलमेर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध जिले की टेक्ट टीम ने 24 घंटे के अंदर लगातार दूसरी बड़ी सफलता हासिल करते हुए थाना लाठी पुलिस के सहयोग से नाकाबंदी में एक लग्जरी कार स्कोडा में सवार 2 तस्करों को गिरफ्तार कर 7 किलो 312 ग्राम अफीम का दूध एवं बिक्री रकम 6,750 रुपए नगद बरामद किए हैं। पुलिस की टीम आरोपियों से उनके नेटवर्क एवं मादक पदार्थ की खरीद फरोख्त के संबंध में पूछताछ कर रही है। एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल सिंह भाटी व सीओ पोकरण भवानी सिंह के सुपरविजन में समस्त थाना अधिकारियों एवं डीसीआरबी प्रभारी भीमराव सिंह को अधिक से अधिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। एसपी चौधरी ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर नाकाबंदी कर आने-जाने वाले वाहनों की चैकिंग कर रहे थे। इसी दौरान हरियाणा नंबर की एक कार का चालक पुलिस टीम को देख भागने लगा। जिस घेर कर टीम ने पकड़ लिया।

कार की तलाशी में 7 किलो 312 ग्राम अफीम का दूध एवं 60750 रुपए नगद मिले। इस पर घटना में प्रयुक्त मादक पदार्थ एवं नगद रुपए जप्त कर एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर आरोपी ओमाराम बिश्नोई पुत्र भाकर राम एवं साकेत कुमार बिश्नोई पुत्र घेवरचंद निवासी डोलीकला थाना कल्याणपुर जिला बालोतरा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

जिला आबकारी अधिकारी तीन लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अलवर में जिला आबकारी अधिकारी को परिवादी से तीन लाख रुपये की रिश्वत राशि लेते हुए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के एक दल ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि लाइसेंस शुदा शराब की दुकान के लिए गोदाम के स्थान को मंजूर करने की एवज में आरोपी जिला आबकारी अधिकारी सुरेश कुमार अहीर छह लाख रुपये की रिश्वत मांग कर परिवादी को परेशान कर रहा था।

उन्होंने एक बयान में बताया कि ब्यूरो के दल ने शिकायत का सत्यापन कर बुधवार को अलवर के जिला आबकारी अधिकारी सुरेश कुमार अहीर को परिवादी से तीन लाख रुपये की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। ब्यूरो के एक अन्य दल ने जयपुर में वन विभाग के पांच कर्मचारियों के वाहन की जांच के दौरान उनमें से एक के पास से एक लाख पांच हजार रुपये से अधिक की नकद राशि पाये जाने पर उसे संदिग्ध रिश्वत राशि मानते हुए जब्त किया है।

ब्यूरो के अधिकारी ने बताया कि गोपनीय सूचना के आधार पर दल ने अरण्य भवन में एक संदिग्ध कार को रुकवाया और तलाशी ली। कार में बूंदी के रामगढ़ विषधारी बाघ अभ्यारण के वन रक्षक राजकुमार शर्मा के पास एक लाख पांच हजार रुपये की संदिग्ध राशि मिली। उन्होंने बताया कि इस राशि के संबंध में उनसे स्पष्टीकरण लिया गया तथा मौके पर ही उसकी सत्यता की जांच की गई तो प्रथम दृश्या सही नहीं पाये जाने पर संदिग्ध राशि को जब्त किया गया है। मामले में कार में सवार कर्मचारियों से पूछताछ और कार्यवाही जारी है।

कोविशील्ड लगवाने वालों पर अध्ययन कर पता लगाना चाहिए कि इसके क्या दुष्प्रभाव हो सकते हैं : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कोरोना वैक्सीन के दुष्प्रभाव को लेकर अध्ययन करवाने की मांग की है। गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, कोरोना से ग्रस्त होने के बाद सामने आई स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर चिकित्सकों ने लगातार जनता को आगाह किया है। अब कोविशील्ड वैक्सीन को लेकर उठे सवालों से जनता के मन में संशय की स्थिति पैदा हो गई है। उन्होंने कहा, भारत सरकार को भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसंधानकर्ताओं के माध्यम से आमजन को वास्तविकता से अवगत करवाना चाहिए और अविलंब कोविशील्ड लगवाने वाले लोगों पर अध्ययन कर पता करना चाहिए कि इसके क्या दुष्प्रभाव हो सकते हैं और इनसे बचने के लिए क्या किया जाना चाहिए।

बायतु से कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा, कोविड वैक्सीन की वजह से जो समस्या आज पूरे देश के सामने है, उससे घबराने के बजाय उसके समाधान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा, वैक्सीन बनाने वाली कंपनी ने जब यह स्वीकार कर लिया है कि इसके दुष्प्रभाव जानलेवा हैं और अब वैक्सीन बनाने वाली कंपनी इसकी जिम्मेदारी नही ले रही है तो केंद्र सरकार तुरंत इसका अनुसंधान करवाकर इसके समाधान की दिशा में कदम बढ़ाए ताकि देश में जनहानि को रोकने में हम सफल हो सकें। उन्होंने कहा, मैंने स्वयं ने भी यही वैक्सीन लगवायी है इसलिए सभी देशवासियों से मेरी अपील है कि आप घबराएं नहीं, हमने कोविड को भी मिलकर हराया था और इसको भी हम सब मिलकर हराएंगे।

तमंचे के साथ वीडियो बनाने के दौरान गोली लगने से युवक की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। सोशल मीडिया की दीवानगी ने एक युवक की उस समय जान ले ली जब वह तमंचा लेकर अपने एक दोस्त के साथ वीडियो बना रहा था। तमंचे से चली गोली युवक के सीने में जा लगी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार मृतक युवक की पहचान झालावाड़ जिला निवासी यशवंत नागर के रूप में हुई है। नागर मानविकी में स्नातक की पढ़ाई कर रहा था और कोटा में रहता था। पुलिस ने बताया कि यह घटना दोपहर करीब तीन बजे हुई जब नागर महावीर नगर एक्सटेंशन में महर्षि गौतम भवन के पास एक चाय की दुकान पर तमंचे के साथ वीडियो बना रहा था। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) मनीष शर्मा ने कहा कि घटना के तुरंत बाद पीड़ित को तुरंत न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि यह जांच की जा रही है कि गोली किसने चलाई। शर्मा ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि जब नागर वीडियो बना रहा था तभी उसे गोली लगी।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने आईपीएस अधिकारी समेत तीन कर्मियों के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने भ्रष्टाचार के मामले में विभाग के पूर्व उप महानिरीक्षक (डीआईजी) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी विष्णु कांत, एक हेड कांस्टेबल और एक कांस्टेबल के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

ब्यूरो में बुधवार को दर्ज की गयी प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि विष्णु कांत जब भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के उप महानिरीक्षक थे तो एसीबी ने हेड कांस्टेबल सरदार सिंह से उनके कांस्टेबल भाई प्रताप सिंह के माध्यम से मार्च 2022 में 9.5 लाख रुपये की रिश्वत ली थी। साढ़े नौ लाख रुपये की यह कथित रिश्वत रिश्वतखोरी के एक अन्य मामले से सरदार सिंह का नाम हटाने के लिए ली गयी थी। रिश्वतखोरी के जिस मामले में सरदार सिंह से उनका नाम हटाने के लिए पैसे लिये गये थे उस मामले में उन्हें अक्टूबर 2021 में एक अन्य कांस्टेबल के साथ गिरफ्तार किया गया था।

जयपुर के जवाहर सर्कल थाने में तैनात हेड कांस्टेबल सरदार सिंह और कांस्टेबल लोकेश को अक्टूबर 2021 में सत्यपाल पारीक की शिकायत के बाद ब्यूरो ने रिश्वत लेते हुए पकड़ा था। प्राथमिकी के अनुसार जांच अधिकारी ने कांस्टेबल लोकेश के खिलाफ आरोपों को सही पाया और अदालत में मुकदमा चलाने की सिफारिश की। लेकिन उन्होंने (जांच अधिकारी) ने हेड कांस्टेबल सरदार सिंह के खिलाफ सबूत न होने के कारण उनका नाम मामले से हटाने की सिफारिश की।

प्राथमिकी के मुताबिक यह फ़ाइल तत्कालीन उप महानिरीक्षक विष्णु कांत को भेजी गई, जिन्होंने इसे राय के लिए उप निदेशक (अभियोजन) के पास भेज दिया। उप निदेशक (अभियोजन) ने फाइल देखने के बाद कहा कि हेड कांस्टेबल सरदार सिंह की संलिप्तता दिखाई दे रही है और जांच कार्यालय के साथ चर्चा के बाद निर्णय लिया जाना चाहिए।

विष्णु कांत ने जांच अधिकारी से परामर्श किए बिना लोकेश के खिलाफ आरोप पत्र दायर करने का फैसला किया और सरदार सिंह का नाम हटाने की सिफारिश की। इस बीच, सरदार सिंह ने अपने भाई एवं विष्णुकांत के बीच कथित बातचीत वाले ऑडियो क्लिप समेत कई ऑडियोक्लिप शिकायतकर्ता सत्यपाल पारीक को भेजी और कहा कि उनका नाम प्राथमिकी से हटा दिया गया है। शिकायतकर्ता ने सभी ऑडियो क्लिप डीजीपी को भेज दिये । डीजीपी ने उन्हें आगे की कार्रवाई के लिए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को भेज दिया।

शुरुआती जांच के बाद ब्यूरो ने विष्णुकांत, सरदार सिंह और प्रताप सिंह के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। बुधवार को दर्ज प्राथमिकी में बताया गया है कि विष्णुकांत ने हेड कांस्टेबल सरदार सिंह का नाम हटाने के लिए 10 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी और उन्हें 9.5 लाख रुपये दिए गए थे। 2005 बैच के आईपीएस अधिकारी विष्णु कांत वर्तमान में पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) होम गार्ड के पद पर कार्यरत हैं।

विवाह स्थल पर आग लगने से एक बुजुर्ग जिंदा जला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान में बूंदी शहर थाना क्षेत्र के नैनवां रोड पर एक विवाह स्थल पर शॉर्ट सर्किट से आग लगने से उसकी चपेट में आकर 75-वर्षीय एक वृद्ध की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस घटना में दो अन्य मामूली रूप से झुलस गए, लेकिन वे बाहर निकलने में सफल रहे। पुलिस ने विवाह स्थल के मालिक के खिलाफ लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर आयोजन स्थल को सील करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि मृतक व्यक्ति की पहचान टोंक जिले के टोडारायसिंह निवासी लाल मोहम्मद के रूप में हुई, जो अपनी दो पोतियों फिजा और रहनुमा की शादी में शामिल होने के लिए बूंदी आये थे।

बूंदी शहर के पुलिस उपाधीक्षक अमर सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार दीवार के पीछे लगे एसी में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी, जहां तीन तंबू लगाए गए थे। उन्होंने बताया कि लाल मोहम्मद समय रहते तंबू से बाहर नहीं निकल सके और गंभीर रूप से झुलस गये, उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पोस्टमॉर्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

रविंद्र सिंह भाटी को जेड प्लस सुरक्षा के लिए जयपुर में उग्र प्रदर्शन

भाटी को गत दिनों सोशल मीडिया के जरिए जान से मारने की धमकी मिली थी। इस धमकी के बाद भाटी के समर्थन में प्रदेशभर में प्रदर्शन किए जा रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में शिव विधायक एवं बाड़मेर- जैसलमेर लोकसभा सीट से निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह भाटी को जान से मारने की धमकी के बाद श्री राजपूत सभा में आक्रोश है। सभा के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को जयपुर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रथम को ज्ञापन दिया और भाटी को जेड प्लस सुरक्षा देने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 7 दिन में उनकी मांग नहीं मानी गई तो उग्र आंदोलन होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। श्री राजपूत सभा के अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई ने कहा कि रविंद्र सिंह भाटी जैसे समाज के व्यक्ति के खिलाफ इस तरह से जान से मारने की धमकी देना सभी 36 कौम के लोग बर्दाश्त नहीं करेंगे। प्रजातंत्र को प्रजातांत्रिक तरीके से ही चलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि रविंद्र सिंह भाटी जैसे लोग संसद में जाएंगे तो वह राजपूत समाज ही नहीं सर्व समाज का प्रतिनिधित्व करेंगे और आम जनता में अच्छा संदेश जाएगा। एक सवाल के जवाब में राम सिंह के कहा कि जिस तरह से सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के साथ हुआ, हम वैसा किसी के भी साथ दोबारा नहीं होने देंगे।

बता दें कि भाटी को गत दिनों सोशल मीडिया के जरिए जान से मारने की धमकी मिली थी। इस धमकी के बाद भाटी के समर्थन में प्रदेशभर में प्रदर्शन किए जा रहे हैं। जयपुर जिला कलेक्ट्रेट पर भी गुरुवार को श्री राजपूत सभा अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई के नेतृत्व में समाज के लोग एकत्र हुए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर जमकर नारेबाजी की और कलक्ट्रेट सर्कल के दो बार चक्कर लगाए। प्रदर्शन के बाद जैसे ही कार्यकर्ता जिला कलेक्ट्रेट के गेट नंबर 1 पर पहुंचे तो पुलिस ने मेन गेट को बंद कर दिया।

इस पर कार्यकर्ता गेट पर चढ़ गए और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद समाज के लोग मुख्य गेट के बाहर धरने पर बैठ गए और प्रदर्शन किया. पुलिस की समझाइश के बाद श्री राजपूत सभा के अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई के साथ कुछ कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट के अंदर पहुंचे और उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रथम सुरेश कुमार नवल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में भाटी को जेड प्लस सुरक्षा देने की मांग की गई। चंदलाई ने चेतावनी दी कि यदि 7 दिन में उनकी मांग पूरी नहीं होती है तो सरकार के खिलाफ उग्र आंदोलन किया जाएगा।

पीबीएम अस्पताल में भिड़े रेजिडेंट डॉक्टर-मरीज के परिजन

बीकानेर। संभाग के सबसे बड़े पीबीएम अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में रेजिडेंट डॉक्टर-मरीज के परिजन आपस में भिड़ गए। मरीज को देखने में ज्यादा टाइम लगने पर एक मरीज के परिजन ने ट्रॉमा सेंटर में हंगामा मचा दिया। सूचना मिलने पर ट्रॉमा सेंटर में मौजूद नर्सिंग स्टाफ, सुरक्षा गार्ड मौके पर पहुंचें, तब तक युवक भाग गया। ट्रॉमा सेंटर में देर रात मरीजों की भीड़ जमा थी। सेंटर में रेजिडेंट डॉक्टर मरीज देख रहे थे। इस दौरान करणी नगर निवासी नितिन शर्मा की पत्नी का वेटरनरी कॉलेज के सामने एक्सीडेंट हो गया था। हादसे में घायल अपनी पत्नी को लेकर ट्रॉमा सेंटर पहुंचा। बता दें कि महिला के रक्त ज्यादा बह रहा था, उसने डॉक्टर को जल्दी उपचार का कहा। बस इसी बात को लेकर दोनों में बहस हो गई, जो बाद में धक्कामुक्की में बदल गई।

रेजिडेंट डॉक्टर ओम प्रकाश ने मरीज के परिजन को समझाया कि पहले गंभीर रूप से घायल मरीज को देखकर आपके साथ आए मरीज को देखता हूं, यह जवाब सुनकर वो रेजिडेंट डॉक्टर से उलझ गया और हाथापाई पर उतर आया। घटना के बाद गुस्साए रेजिडेंट डॉक्टर्स ट्रॉमा सेंटर की बिल्डिंग में इकठ्ठा हो गए और प्रदर्शन कर नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद आक्रोशित रेजिडेंट डॉक्टर, एसपी मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ गुंजन सोनी, पीबीएम अस्पताल अधीक्षक डॉ पीके सैनी, रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ अभिजीत सहित रेजिडेंट डॉक्टर सदर थाने पहुंचे और आरोपी युवक के विरुद्ध मेडिकल एक्ट के तहत मामला दर्ज करवाया है।

राजधानी जयपुर में आज से चढ़ेगा पारा, दक्षिणी राजस्थान में 5 और 6 मई को चलेंगी तेज हवाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में सियासी पारा भले ही अब ठंडा पड़ गया हो। लेकिन, राजधानी में कल से मौसम का पारा चढ़ने वाला है। दिन के तापमान में तेजी आएगी इस दौरान 8 मई तक पारा 43 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। हालांकि अभी पूरे राज्य में अधिकतम तापमान सामान्य से कम चल रहे हैं। मौसम विभाग का अनुमान है कि 5 और 6 मई को राज्य के दक्षिणी भागों में 25 से 30 किलोमीटर की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। इसके साथ ही अगले 4 दिन के दौरान तापमान में भी 4 से 6 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोत्तरी हो सकती है। इस दौरान 4 मई को बीकानेर और जोधपुर संभागों में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। जबकि बीकानेर, जोधपुर, जैसलमेर, हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर में तेज आंधी के बाद गर्जन के साथ बारिश भी हो सकती है।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में मौसम प्राय: शुष्क रहा। जयपुर और बीकानेर संभागों में तापमान सामान्य से काफी कम 32 से 35 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुए हैं। इसी तरह अजमेर, कोटा और जोधपुर संभागों में 34 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान दर्ज किए गए।

पिछले 24 घंटों के दौरान सबसे ज्यादा तापमान 40.4 डिग्री सेल्सियस बाडमेर में दर्ज किया गया। मौसम एक्सपर्ट्स की मानें तो 2 मई से 6 मई तक आसमान सामान्यतः साफ रहेगा। जबकि 7 और 8 मई को आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान 37 डिग्री से बढ़कर 43 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है।

सिन्धु दर्शन तीर्थयात्रियों को सहयोग राशि 20 हजार रुपये करने की मांग

अजमेर। भारतीय सिन्धु सभा ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं देवस्थान विभाग से सिन्धु दर्शन तीर्थयात्रियों को सहयोग राशि नियमों में संशोधन की मांग के साथ अनुदान सहयोग राशि बढ़ाकर 20 हजार करने की मांग की है। अजमेर में भारतीय सिन्धु सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र कुमार तीर्थानी ने बताया कि सिन्धु दर्शन तीर्थ यात्रा का आयोजन जून 2024 में लेह लद्धाख में होगा। सिन्धु दर्शन तीर्थ यात्रियों को देवस्थान विभाग की ओर से स्वीकृत योजना में संशोधन की मांग मुख्यमंत्री भजनलाल की गयी है। उन्होंने बताया कि उक्त योजना को वर्ष 2016 से स्वीकृत किया गया था, लेकिन तीर्थयात्रा योजना में पात्रता की दो शर्तों जिनमें आयकरदाता न हो, तथा केन्द्र सरकार,राज्य सरकार. केन्द्र एवं राज्य सरकार के उपक्रम.स्थानीय निकाय से सेवानिवृत कर्मचारी. अधिकारी नहीं हो, के कारण इस योजना का लाभ तीर्थयात्री नहीं ले पा रहे हैं।

विरासत कर की बात करने वाले 'औरंगजेब' के नए अवतार : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फिरोजाबाद (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को विपक्ष पर कड़ा प्रहार करते हुए दावा किया कि ''औरंगजेब के नए अवतार पैदा हो गए हैं जो कहते हैं कि विरासत कर लगाएंगे। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि अयोध्या में राम मंदिर, काशी में काशी विश्वनाथ धाम का निर्माण हो गया है। उन्होंने कहा कि सैकड़ों वर्ष से हम कहते आए हैं कि मथुरा में जितनी भी भूमि है, वह भगवान कृष्ण की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक तरफ मोदी जी के नेतृत्व में विरासत और आस्था का सम्मान करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार है तो दूसरी तरफ कांग्रेस-सपा की 'इंडी' गठबंधन है। उन्होंने कहा, औरंगजेब के नए अवतार पैदा हो गए हैं, जो कहते हैं कि विरासत टैक्स लगाएंगे। जैसे औरंगजेब ने हिंदुओं पर जजिया कर लगाया था, ये वैसा ही चाहते हैं।

मुख्यमंत्री ने जनसभा में मौजूद लोगों से सवाल किया, क्या स्वतंत्र भारत में आप जजिया कर देंगे?''

योगी आदित्यनाथ ने फिरोजाबाद लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी विश्वदीप सिंह के पक्ष में बृहस्पतिवार को आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए यह टिप्पणियां की।

आदित्यनाथ ने मुख्य विपक्षी दल पर हमला करते हुए कहा, कांग्रेस का घोषणापत्र कहता है कि अल्पसंख्यकों को रुचि के अनुरूप खाने की स्वतंत्रता देंगे। आखिर ऐसा कौन सा भोजन है, जो बहुसंख्यक समाज को नहीं पसंद है और अल्पसंख्यक समाज को पसंद है। भारत का बहुसंख्यक कहता है कि हम गोमांस नहीं खाते, लेकिन कुछ लोग चिढ़ाने के लिए जानबूझकर गोहत्या को प्रश्रय देते हैं। उन्होंने विपक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा, इन्हें दिए गए वोट से आने वाली पीढ़ियां और दूसरे लोक के पूर्वज कोसेंगे कि क्या मजबूरी थी कि इनके पाप में भागीदार बन रहे हैं। 'इंडी' गठबंधन को मिलने वाला वोट पाप में भागीदारी बनने जैसा है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि देश जब मजबूत हाथों में होता है तो दुश्मन दब कर रहता है और मजबूर हाथों में रहता है तो दुनिया आंखें दिखाती है। उन्होंने कहा कि ''दुश्मन भारत की ओर थप्पड़ मारने को लपकता है तब तक यहां से जोरदार घूसा जड़ा जाता है और दुश्मन धराशायी हो जाता है।

भारत जोड़ो यात्रा का समापन चार जून को 'कांग्रेस ढूंढो यात्रा' से होगा : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बरेली (उप्र)/भाषा। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इस पार्टी के 'शहजादे' राहुल गांधी ने चुनाव अभियान की शुरुआत 'भारत जोड़ो यात्रा' से की थी मगर इसका समापन अगली चार जून को 'कांग्रेस ढूंढो यात्रा' से होगा।

शाह ने बरेली से भाजपा उम्मीदवार छत्रपाल गंगवार के समर्थन में आयोजित एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा, हमारे सामने यह घमंडिया गठबंधन 'इंडी' चुनाव लड़ रहा है। इनके शहजादे राहुल बाबा ने चुनाव की शुरुआत 'भारत जोड़ो' यात्रा से की थी। परंतु, मैं आज बरेली में कहकर जा रहा हूं कि शुरुआत 'भारत जोड़ो' यात्रा से की गई थी मगर चार जून के बाद 'कांग्रेस ढूंढो' यात्रा से इसका समापन होने वाला है। उन्होंने दावा किया, दो चरण के चुनाव में कांग्रेस दूरबीन से भी नजर में नहीं आ रही है और नरेन्द्र मोदी सेंचुरी मारकर 400 की दौड़ में बहुत आगे निकल गए हैं।

शाह ने कहा, यह चुनाव नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। यह चुनाव हमारे देश के अर्थ तंत्र को संसार का तीसरे नंबर का अर्थ तंत्र बनाने का चुनाव है। यह चुनाव तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का चुनाव है। यह चुनाव आतंकवाद और नक्सलवाद को समाप्त करने का चुनाव है।

गृह मंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का जिक्र करते हुए इस मुद्दे पर भी कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया, 70 साल से कांग्रेस राम मंदिर के मसले को अटका रही थी, भटका रही थी, लटका रही थी। आपने नरेन्द्र मोदी को दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया, तब मोदी ने पांच ही साल में केस भी जीता, भूमि पूजन भी किया और 22 जनवरी

को प्राणप्रतिष्ठा करके जय श्री राम कर दिया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव, उनकी पत्नी डिंपल, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी मंदिर निर्माण ट्रस्ट की ओर से निमंत्रण भेजे जाने के बावजूद प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नहीं गए क्योंकि उन्हें अपने 'वोट बैंक' वालों का डर था कि अगर वहां जाएंगे तो वोट नहीं मिलेगा।

शाह ने कहा, आपको मालूम है न कि कौन सा वोट बैंक है उनका?'' उन्होंने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं पर आरोप लगाया, अखिलेश जी खुद मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं और सोनिया जी बेटे (राहुल गांधी) को प्रधानमंत्री बनना चाहती हैं। जो अपने बेटे, बेटी, पत्नी, भाई, भतीजे को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बनाने के लिए राजनीति में हो, वह बरेली के युवाओं का भला कैसे कर सकता है? उनका भला केवल और केवल गरीब घर से आए हुए नरेन्द्र मोदी कर सकते हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सपा के शासन में पूरे उत्तर प्रदेश में देसी कट्टे बनाने के कारखाने थे। आज कट्टों की जगह उत्तर प्रदेश में तोप और मिसाइल बनाने का कारखाना लगा है जो 'पाकिस्तान पर गोले बरसाने का काम करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया, उत्तर प्रदेश में जहां वाहन चोरी का कुटीर उद्योग चलता था, वहीं अब, उसकी जगह भाजपा के शासन में वाहन बनाने की फैक्टरियां लग रही हैं। यहां के बेरोजगार युवा चेन झपटमारी कर रहे थे, उसकी जगह आज चिकित्सा उपकरण बनने का काम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहा है। काशी विश्वनाथ का गलियारा औरंगजेब तोड़कर गया था, तबसे यह जस का तस पड़ा हुआ था। मोदी ने बाबा काशी विश्वनाथ के गलियारे को बना कर बाबा को फिर से सम्मान देने का काम किया है।

मणिपुर के चुराचांदपुर में हथियारबंद लोगों ने बैंक लूटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में बृहस्पतिवार को एक बैंक लूट लिया गया। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। उन्होंने बताया कि यह घटना दोपहर करीब दो बजे तुईबोंग इलाके में एसबीआई की सालबुंग शाखा में हुई।

उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जानकारी से पता चलता है कि चार हथियारबंद लोगों ने लगभग 20 लाख रुपए नकद लूट लिए, जिनकी अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। अधिकारियों ने कहा कि जांच चल रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि डकैती के बाद, नकाब और हेलमेट पहने हुए हथियारबंद लोग कांगवई की ओर भाग गए।

अधिकारियों ने बताया कि अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए उनकी तलाश की जा रही है।

देश में कर्नाटक की तरह आरक्षण लागू करना चाहती है कांग्रेस : धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस कर्नाटक की तरह पूरे देश में आरक्षण लागू करना चाहती है। उन्होंने दावा किया कि कर्नाटक में रातोंरात एक विशेष समुदाय को ओबीसी की सूची डाल दिया गया।

रांची लोकसभा सीट के लिए भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए धामी ने लोगों से देश को भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और वंशवादी राजनीति से बचाने के लिए भाजपा को वोट देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ऐसे समय में जब देश समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की ओर बढ़ रहा है, कांग्रेस कहती है कि अगर वह सत्ता में आई तो मुस्लिम पर्सनल लॉ लागू करेगी। अब लोगों को यह तय करना है कि

देश को तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति का समर्थन करना चाहिए या सभी के लिए समान कानून का। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल आदिवासियों, ओबीसी और एससी समुदाय के आरक्षण के अधिकार को छीनकर एक विशेष समुदाय को देना चाहते हैं। धामी ने कहा, कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने रातोंरात एक विशेष समुदाय को ओबीसी सूची में शामिल कर दिया। अब वह ऐसा ही पूरे देश में करना चाहती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वंचित और समाज के अन्य वर्गों के विकास के लिए कई योजनाएं शुरू की गई।

कांग्रेस हताश, वोट के लिए चला रही 'झूठ' और 'तुष्टीकरण की राजनीति' का अभियान : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव में वोट हासिल करने के लिए झूठ, दुष्प्रचार और तुष्टीकरण की राजनीति से लबरेज ''हताशा भरा अभियान'' चला रही है क्योंकि अतीत में अपने शासन के दौरान बार-बार लोगों के साथ धोखा करने के बाद उसके पास कोई अन्य विकल्प नहीं बचा है।

भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 10 वर्षों में देश को प्रगति के पथ पर अग्रसर किया है और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के शासन के दौरान ''कमजोर पांच अर्थव्यवस्थाओं'' में शुमार रहे भारत को अपने नेतृत्व में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया है। उन्होंने आरोप लगाया, जिस कांग्रेस को लोगों ने सेवा करने के लिए कई मौके दिए, उसने बार-बार उनके

भरोसे को धोखा दिया और आज उसके पास झूठ, दुष्प्रचार तथा तुष्टीकरण की राजनीति का अभियान चलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

चंद्रशेखर ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा का प्रचार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रदर्शन पर आधारित है जबकि कांग्रेस संप्रग के दस साल के शासन पर कुछ नहीं बोल रही है लेकिन अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण सहित विभिन्न मुद्दों पर झूठ फैला रही है। भाजपा नेता ने कांग्रेस के इस दावे को झूठा प्रचार बताते हुए खारिज किया कि भाजपा संसदीय चुनाव में 400 से अधिक सीट इसलिए चाहती है क्योंकि वह संविधान को बदलना चाहती है और एससी, एसटी तथा ओबीसी को आरक्षण प्रदान करने के लिए बनाए गए प्रावधानों को समाप्त करना चाहती है।

कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामले में अगली सुनवाई 7 मई को

प्रयागराज/भाषा। मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में बृहस्पतिवार को सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष ने दलील दी कि कृष्ण जन्मभूमि एक संरक्षित और राष्ट्रीय महत्व का स्मारक है तथा यह प्राचीन स्मारक एवं पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958 के अंतर्गत आएगा। हिंदू पक्ष की ओर से अधिवक्ता हरिशंकर जैन ने कहा कि इसके आलोक में पूजा स्थल अधिनियम के प्रावधान लागू नहीं होंगे। उन्होंने कहा, पूजा पाठ करना हमारा मौलिक अधिकार है और इस अधिकार को सीमा के कानून से घटाया नहीं जा सकता। देवता और भक्त दोनों को अधिकार है कि उनकी बातों को सुना जाए। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन द्वारा की जा रही है। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई सात मई को करने का निर्देश दिया।

हरिशंकर जैन ने दलील दी कि यह वाद पोषणीय है और वाद की गैर पोषणीयता के संबंध में दायर आवेदन पर साक्ष्यों को देखने के बाद ही निर्णय किया जा सकता है। यह वाद शाही ईदगाह मस्जिद को हटाने के बाद जमीन का कब्जा लेने और मंदिर बहाल करने के लिए दायर किया गया है।

ममता ने मोदी सरकार पर एससी, एसटी, ओबीसी को हाशिये पर धकेलने की कोशिश करने का आरोप लगाया

तेहट्टा/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने केंद्र की मोदी सरकार पर अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को हाशिये पर धकेलने का प्रयास करने का बृहस्पतिवार को आरोप लगाया।

बनर्जी ने हाशिये पर पड़े समुदायों के लिए नागरिकता संबंधी फायदों के बारे में भाजपा सरकार के 'झूठ' को लेकर उस पर निशाना साधा। उन्होंने चेतावनी दी कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) से एससी, एसटी और ओबीसी के अधिकार खतरे में पड़ सकते है।

बनर्जी नादिया जिले के तेहट्टा में तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार महुआ मोइत्रा के समर्थन में आयोजित एक रैली को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यूसीसी के फायदों के बारे में झूठ बोल रहे हैं कि इससे सभी को फायदा मिलेगा। यदि यूसीसी को लागू किया जाता है, तो इससे एससी, एसटी और ओबीसी का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। भाजपा संविधान को नष्ट कर देगी। लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे।

बंगाल में 86.31 प्रतिशत छात्र-छात्राओं ने दसवीं कक्षा की राज्य बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण की

कोलकाता/भाषा। इस साल पश्चिम बंगाल में दसवीं कक्षा की राज्य बोर्ड परीक्षा देने वाले लगभग नौ लाख छात्र छात्राओं में से करीब 86.31 प्रतिशत ने परीक्षा उत्तीर्ण की है। एक शिक्षा अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। परीक्षा पास करने वालों में 4,05,994 पुरुष और 5,17,019 महिलाएं हैं। पश्चिम बंगाल माध्यमिक परीक्षा बोर्ड के अध्यक्ष रामानुज गांगुली ने कहा कि पिछले साल 86.15 प्रतिशत छात्र छात्राओं ने परीक्षा उत्तीर्ण की थी।

कूचबिहार जिले के रामभोला हाई स्कूल के छात्र चंद्रचूड़ सेन ने 693 अंक (99 प्रतिशत) हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। 'पुरुलिया डिस्ट्रिक्ट स्कूल' की समयप्रिया गुरु ने 692 अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया।

तीसरे स्थान पर तीन छात्र रहे। 'बालुरघाट हाई स्कूल' के उदयन प्रसाद, न्यू इंटीग्रेटेड गवर्नमेंट स्कूल (इलमबाजार)' की पुष्पिता बासुरी और 'नरेंद्रपुर रामकृष्ण मिशन' के नायरित रंजन पाल, जिन्होंने 691 अंक (98.71 प्रतिशत) हासिल किए। कूचबिहार, पुरुलिया, दक्षिण दिनाजपुर, बीरभूम, दक्षिण और उत्तर 24 परगना, हुगली, पूर्व बर्धमान, मालदा और पश्चिम मेदिनीपुर के छात्र शीर्ष 10 में शामिल थे। सबसे अधिक छात्र कलिम्पोंग जिले में उत्तीर्ण हुए हैं जहां उत्तीर्ण प्रतिशत 96.26 है, इसके बाद पूर्वी मेदिनीपुर (95.49) और कोलकाता (91.62) का स्थान है। कोलकाता की कमला गर्ल्स स्कूल की सोमदत्ता सामंत 684 अंक (97.71 प्रतिशत) हासिल करके शीर्ष 10 में शामिल थीं। सामंत उन 18 छात्रों में थी जिन्होंने समान अंक हासिल किए और 10वां स्थान हासिल किया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने परीक्षा में सफल हुए छात्र. छात्राओं को बधाई दी।

भाजपा मुसलमानों के खिलाफ नही है : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छपरा/सुपौल/भाषा। रक्षा मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने विपक्ष के भाजपा पर हिंदू-मुस्लिम के बीच विभाजन पैदा करने के आरोप को खारिज करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि कई इस्लामी देशों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सम्मानित किया है।

बिहार के सुपौल और सारण लोकसभा क्षेत्रों में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने अल्पसंख्यक समुदाय को कांग्रेस और उसके सहयोगी राजद से सावधान रहने का आग्रह करने के साथ विपक्षी दलों पर उन्हें धोखा देकर वोट मांगने का आरोप लगाया।

सिंह ने कहा, जहां तक भाजपा और राजग का प्रश्न है, तो हम लोग जात-पात, पंथ और मजहब के आधार पर राजनीति नहीं करते हैं। हम इंसाफ और इंसानियत के आधार पर राजनीति

करते हैं। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुसार धार्मिक आधार पर मुसलमानों के लिए आरक्षण संभव नहीं है। उन्होंने कहा, पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण की सुविधा है तथा मुस्लिम समाज में जो बहुत पिछड़े और गरीब हैं, वे इसमें शामिल हैं। आप कहते हैं कि हम धर्म के आधार पर आरक्षण देंगे। क्यों उनकी आंखों में धूल झुक रहे हैं। भारत का संविधान इस बात की इजाजत देता ही नहीं है कि धर्म के आधार पर आरक्षण दिया जाए। मैं मुसलमान भाइयों से कहना चाहता हूं कि आप लोग इनके बहकावे नहीं आए।

कांग्रेस सहित विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए सिंह ने कहा, ये हमपर हिंदू-मुसलमान करने का आरोप लगाते हैं जबकि अरब जगत के पांच देशों ने अपने सबसे बड़े सम्मान से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को नवाजा है। उन्होंने कहा, मैं मुसलमान भाइयों से भी कहना चाहता हूं... हां हमने एक काम किया है, तीन तलाक की प्रथा को समाप्त किया है। हम किसी को धोखा नहीं देना चाहते हैं और डंके की चोट पर कहते हैं कि हां हमने किया है क्योंकि हम समाज को बांट कर राजनीति नहीं करना चाहते। सिंह ने कहा, चाहे मुसलमान हो, हिंदू हो, ईसाई हो या यहूदी हो, सबकी मां-बहन, बेटी हम लोग की मां-बहन, बेटी हैं। हम लोग ऐसा नजरिया रखते हैं।

शेफाली का अर्धशतक, भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश को हराकर 3-0 की विजयी बढ़त बनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिलहट (बांग्लादेश)/भाषा। गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के अर्धशतक से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में गुरुवार को यहां बांग्लादेश को सात विकेट से हराकर पांच मैच की श्रृंखला में 3-0 की विजयी बढ़त बना ली।

बांग्लादेश के 118 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने शेफाली (51 रन, 38 गेंद, आठ चौके) के अर्धशतक और स्मृति मंधाना (47 रन, 42 गेंद, पांच चौके, एक छक्का) के साथ उनकी पहले विकेट की 12.1 ओवर में 91 रन की साझेदारी से 18.3 ओवर में तीन विकेट पर 121 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की।

इस साल टी20 महिला विश्व कप बांग्लादेश में ही होना है और इसलिए भारतीय टीम का यह प्रदर्शन काफी महत्वपूर्ण है।

बांग्लादेश की टीम इससे पहले सलामी बल्लेबाज दिलारा अख्तर (25 गेंद में 39 रन) और कप्तान निगार सुल्ताना (28) की उम्दा पारियों के बावजूद 20 ओवर में आठ विकेट पर 117 रन ही बना सकी। भारत की ओर से राधा यादव ने 22 रन देकर दो विकेट चटकाए। रेणुका सिंह, पूजा वस्त्राकर और श्रेयंका पाटिल को एक-एक विकेट मिला।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारत को शेफाली और स्मृति ने तूफानी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 59 रन जोड़े। स्मृति ने मारुफा अख्तर जबकि शेफाली ने फारिहा त्रिशना पर चौके से खाता खोला।

शेफाली ने शोरिफा खातून का स्वागत तीन चौकों के साथ किया जबकि नाहिदा अख्तर पर भी लगातार तीन चौके मारे।

शेफाली ने फाहिमा खातून की गेंद पर एक रन के साथ नौवां अर्धशतक पूरा किया लेकिन अगले ओवर में रितु मोनी को उन्हीं की गेंद पर कैच दे बैठीं।

स्मृति ने राबेया पर पारी का पहला छक्का जड़ा लेकिन नाहिदा की गेंद पर फाहिमा के हाथों लपकी गई।

इस समय टीम को जीत के लिए 5.5 ओवर में 18 रन की दरकार थी और टीम ने डी हेमलता (09) का विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

चार स्पिनर चाहता था क्योंकि वेस्टइंडीज में हालात की जानकारी है : रोहित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि टीम प्रबंधन टी20 विश्व कप में चार स्पिनरों के चयन को लेकर स्पष्ट था और अंतिम 15 खिलाड़ी चुनने में आईपीएल की बहुत भूमिका नहीं थी।

भारत ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए चार स्पिनर और तीन तेज गेंदबाज चुने हैं। कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल कलाई के स्पिनर हैं जबकि अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा स्पिन हरफनमौला हैं।

रोहित ने यहां एक प्रेस कांफ्रेंस में सवालों के जवाब में कहा, मैं इस बारे में तफ्सील से बात नहीं करूंगा लेकिन मैं चार स्पिनर चाहता था। हमने वहां काफी क्रिकेट खेली है। मैच सुबह दस बजे से शुरू होते हैं और इसमें काफी तकनीकी पहलू है। उन्होंने कहा, चार स्पिनरों को चुनने का कारण मैं अभी नहीं बताऊंगा। मैं चार स्पिनर चाहता था जिनमें से आक्रामक स्पिनर (कुलदीप और चहल) और दो स्पिन हरफनमौला (अक्षर और जडेजा) है और इससे टीम को संतुलन मिलता है। विरोधी टीम को देखकर हम टीम संयोजन चुनेंगे। भारतीय टीम का चयन मंगलवार को किया गया। रोहित ने कहा कि बीच के ओवरों में टीम की जरूरत का काफी ध्यान रखा गया। शिवम दुबे को रिंकू सिंह पर तरजीह देने पर भी काफी सवाल उठे हैं। रोहित ने कहा, हमें समझना होगा कि पिचें व विरोधी टीम संयोजन कैसा होगा। हमें बीच के ओवरों में आक्रामक बल्लेबाज की जरूरत है। शीर्षक्रम ठीक खेल रहा है। दूसरे विकल्प भी हैं। हमने दुबे को आईपीएल और उससे पहले कुछ मैचों में उसके प्रदर्शन के आधार पर चुना।

रिंकू को बाहर रखना सबसे कठिन फैसला था, उसकी कोई गलती नहीं थी : अगरकर

मुंबई/भाषा। मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर ने कहा कि भारत की टी20 विश्व कप टीम से रिंकू सिंह को बाहर रखना सबसे कठिन फैसला था क्योंकि उसने कुछ गलत नहीं किया था लेकिन टीम संयोजन के आधार पर चुनी गई। कोलकाता नाइट राइडर्स के आक्रामक बल्लेबाज रिंकू को 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिल सकी और चयनकर्ताओं ने उनकी जगह चेन्नई सुपर किंग्स के शिवम दुबे को चुना। रिंकू ने भारत के लिए टी20 मैचों में 176.24 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। अगरकर ने कहा, रिंकू को नहीं चुनना सबसे कठिन फैसला था। उसने कुछ गलत नहीं किया था और ना ही शुभमन गिल ने। बाहर रहना उसकी गलती नहीं थी बल्कि टीम संयोजन के कारण ऐसा करना पड़ा। उन्होंने कहा, रोहित को अधिक विकल्प देने के लिए कलाई के दो स्पिनरों को चुना गया। दो विकेटकीपर भी है और हमें अतिरिक्त गेंदबाज चाहिए था। यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

सुविचार

समझ ना आया ज़िन्दगी ये तेरा फैसला, एक तरफ कहती है सब्र का फल मीठा होता है, और दूसरी तरफ तो कहती है, वक़्त किसी का इंतज़ार नहीं करता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुधार की ओर बड़ा कदम

राजस्थान में अक्षय तृतीया से पहले उच्च न्यायालय का राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देना कि 'कोई बालविवाह न हो', एक महत्त्वपूर्ण सुधार की ओर बड़ा कदम है। कई लोगों को यह जानकर आश्चर्य हो सकता है कि आज भी बालविवाह होते हैं! हालांकि सरकार की सख्ती, अधिकारियों की सजगता और जनता की जागरूकता के कारण ऐसे मामलों में बहुत कमी आई है, लेकिन कड़वी हकीकत है कि आज भी बालविवाह होते हैं। राजस्थान के कुछ इलाकों में चोरी-छिपे बालविवाह कराने की घटनाएं सामने आ जाती हैं। पहले, प्रिंट मीडिया ही इसका खुलासा करता था। अब सोशल मीडिया भी मैदान में है। अगर कहीं बालविवाह होता है और पड़ोसियों या मोहल्ले वालों को भनक लग जाती है तो वे प्रशासन को सूचना दे देते हैं। ऐसे भी मामले देखे गए, जब लड़की ने फोन या सोशल मीडिया के जरिए प्रशासन तक अपनी आवाज पहुंचाई और उसे मदद भी मिली। बालविवाह का जिक्र आते ही राजस्थान के एक जिले के वीडियो से जुड़ीं पुरानी यादें ताजा हो जाती हैं, जब सोशल मीडिया का तो इतना प्रसार नहीं हुआ था, लेकिन मोबाइल फोन गांव-ढाणियों तक पहुंच गए थे। एक मासूम बालिका, जिसका देर रात बालविवाह कराया जा रहा था, को जब फेरों के लिए लाया गया तो वह पूरी तरह नींद में थी। उसे पता ही नहीं था कि उसके भविष्य के साथ कैसा खिलवाड़ किया जा रहा है? बाद में मीडिया और प्रशासन वहां पहुंचे और सख्त कार्रवाई हुई। बालविवाह की रोकथाम में मीडिया और सोशल मीडिया तो अपनी भूमिका निभा ही रहे हैं। प्रशासन की भूमिका भी प्रशंसनीय रही है। आज ऐसी घटनाओं में बड़ी कमी आई है तो उसके लिए अधिकारियों की सजगता को श्रेय देना होगा।

प्राय: बालविवाह के पक्ष में यह कुतर्क दिया जाता है कि 'पुराने ज़माने में ऐसा ही होता था, हमारे बड़े-बुजुर्गों के बालविवाह हुए थे और उनका दांपत्य जीवन बहुत खुशहाल रहा था!' वे लोग यह कहते हुए कई महत्त्वपूर्ण बिंदुओं की अनदेखी कर देते हैं। पिछले सौ-डेढ़ सौ सालों की ही बात करें तो इस अवधि में परिस्थितियां बिल्कुल बदल चुकी हैं। आज बच्चों पर पढ़ाई-लिखाई का जैसा दबाव है, वैसा उस दौर में नहीं होता था। कामकाज के विकल्प सीमित हुआ करते थे। स्कूल-कॉलेज की पढ़ाई (जो बहुत कम लोग करते थे) के बाद प्रतियोगी परीक्षाएं उत्तीर्ण करने के लिए ऐसी प्रतिस्पर्धा नहीं होती थी। लोगों का जीवन (आज की तुलना में) बहुत सादा था। कमाई कम थी, खर्चे भी कम थे। आज शहरों में मध्यम वर्गीय परिवारों का खर्च एक व्यक्ति की कमाई से चलाना बहुत मुश्किल है। समय के साथ सामाजिक मान्यताएं भी बदली हैं। अगर देश को शिक्षित, विकसित, सशक्त बनाना है तो बहुत जरूरी है कि नारीशक्ति को भी शिक्षा से लेकर रोजगार तक समान अवसर दिए जाएं। क्या बालविवाह जैसी प्रथाओं के रहते ऐसा होना संभव है? विवाह केवल ढोल बजाने, नए कपड़े पहनने, तरह-तरह के पकवान खाने का एक आयोजन भर नहीं है। यह अपने साथ बड़ी जिम्मेदारी भी लेकर आता है। मासूम बालक-बालिका, जिनकी उम्र खिलौनों से खेलने की हो, किताबों से देश-दुनिया को जानने की हो, उन्हें फेरों के लिए बैठा देना उनके जीवन से अन्याय ही माना जाएगा। सरकार, प्रशासन, मीडिया, समाज ... हर स्तर पर ऐसे आयोजनों को हतोत्साहित किया जाना चाहिए। जो कोई बालविवाह करे, कराए, उसमें सहयोग दे, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। कार्रवाई हो भी रही है। राजस्थान उच्च न्यायालय ने सत्य कहा कि 'अधिकारियों के प्रयासों के कारण बालविवाह की संख्या में कमी आई है, लेकिन अब भी बहुत कुछ करने की जरूरत है।' सामूहिक प्रयासों से ही इस प्रथा का पूर्णत: उन्मूलन किया जा सकता है।

ट्वीटर टॉक

जयपुर के रिटायर्ड पैरा कमांडो श्री हिम्मत सिंह जी राठौड़ ने बीस घंटे तक लगातार सीढ़ियों पर चढ़कर एक नया रिकॉर्ड बनाकर इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड बनाया। आपकी कड़ी मेहनत- लगन से मिली सफलता पर पूरे राजस्थान वासियों को गर्व है।

-दीया कुमारी

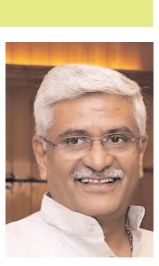

बालोतरा में प्रताप दान चारण पर हुआ प्राणघातक हमला अत्यंत निंदनीय है। इस संदर्भ में मैंने आईजी से बात की है और उन्हें त्वरित जाँच व कार्रवाई के लिए कहा है। दोषी नहीं बख़्शे जाएँगे। ईश्वर से प्रताप दान जी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

आज पश्चिम बंगाल के आसनसोल स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय कार्यालय पर पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से स्नेहिल भेंट हुई। कार्यकर्ताओं का उत्साह और जोश बता रहा है कि यहां की जनता प्रचंड बहुमत से कमल खिलाकर मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने जा रही है।

-अर्जुनराम मेघवाल

प्रेरक प्रसंग

देवगुरु और देवराज

मध्यप्रदेश जब राज्य बना तब प्रश्न उठा कि किस नेता को प्रथम मुख्यमंत्री पद की बागडोर सौंपी जाये? किसी एक नाम पर सर्वसम्मति नहीं बनी। तीन नाम उभर कर सामने आये- पहला पंडित माखनलाल चतुर्वेदी, दूसरा पंडित रविशंकर शुक्ल और तीसरा पंडित द्वारका प्रसाद मिश्रा। कागज़ के तीन टुकड़ों पर ये नाम अलग-अलग लिखे गए। तीनों पुड़ियां आपस में खूब फेंटी गयी, फिर एक पुड़िया निकाली गयी जिस पर पंडित माखनलाल चतुर्वेदी का नाम अंकित था। इस प्रकार तय पाया गया कि वे नवगठित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री होंगे। तत्कालीन दिग्गज नेता माखनलाल जी के पास दौड़ पड़े। सबने उन्हें इस बात की सूचना और बधाई भी दी कि अब आपको मुख्यमंत्री के पद का कार्यभार संभालना है। पंडित माखनलाल चतुर्वेदी ने सबको लगभग डांटते हुए कहा कि मैं पहले से ही शिक्षक और साहित्यकार होने के नाते 'देवगुरु' के आसन पर बैठा हूं। मेरी पदावनति करके तुम लोग मुझे 'देवराज' के पद पर बैठाना चाहते हो जो मुझे पूरी तरह अस्वीकार्य है। उनकी इस असहमति के बाद रविशंकर शुक्ल को नवगठित प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया।

सामयिक

दुनिया का सबसे महंगा चुनाव है गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के लोकसभा चुनाव 2024 अनेक दृष्टियों से यादगार, चर्चित, आक्रामक एवं ऐतिहासिक होने के साथ-साथ अब तक का सबसे महंगा एवं दुनिया का सबसे खर्चीला चुनाव है। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की हालिया रिपोर्ट के अनुसार इस बार का चुनावी खर्च एक लाख बीस हजार करोड़ रुपये के खर्च के साथ दुनिया का सबसे महंगा चुनाव होने की ओर अग्रसर है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के खर्च की तुलना में इस बार दुगुना खर्च होगा। चुनाव प्रक्रिया अत्यधिक महंगी एवं धन के वर्चस्व वाली होने से राजनीतिक मूल्यों का विसंगतिपूर्ण एवं लोकतंत्र की आत्मा का हनन होना स्वाभाविक है। चुनाव जनतंत्र की जीवनी शक्ति है। यह राष्ट्रीय चरित्र का प्रतिबिम्ब होता है। जनतंत्र के स्वस्थ मूल्यों को बनाए रखने के लिए चुनाव की स्वस्थता, पारदर्शिता, मितव्ययता और उसकी शुद्धि अनिवार्य है। चुनाव की प्रक्रिया गलत होने पर लोकतंत्र की जड़े खोखली होती चली जाती हैं। करोड़ों रुपए का खर्चीला चुनाव, अच्छे लोगों के लिये जनप्रतिनिधि बनने का रास्ता बन्द करता है और धनबल एवं धंधेबाजों के लिये रास्ता खोलता है। इन चुनावों में अर्थ का अनुचित एवं अतिशयोक्तिपूर्ण खर्च का प्रवाह जहां चिन्ता का कारण बन रहा है, वहीं समूची लोकतांत्रिक प्रणाली को दूषित करने का सबब भी बन रहा है। इस तरह की बुराई एवं विकृति को देखकर आंख मूंदना या कानों में अंगुलियां डालना दुर्भाग्यपूर्ण है, इसके विरोध में व्यापक जनचेतना को जगाना जरूरी है। यह समस्या या विकृति किसी एक देश की नहीं, बल्कि दुनिया के समूचे लोकतांत्रिक राष्ट्रों की समस्या है। 18वीं लोकसभा चुनाव में हर राजनैतिक दल अपने स्वार्थ की बात सोच रहा है तथा येन-केन-प्रकारेण ज्यादा से ज्यादा वोट प्राप्त करने की अनैतिक तरकीबें निकाल रहा है। एक-एक प्रत्याशी चुनाव का प्रचार-प्रसार करने में करोड़ों रुपयों का व्यय करता है। यह धन उसे पूंजीपतियों, उद्योगपतियों, राजनीतिक दलों एवं प्रायोजकों से मिलता है। चुनाव जीतने के बाद वे उद्योगपति उनसे अनेक सुविधाएं प्राप्त करते हैं। इसी कारण सरकार उनके अनुचित दबाव के विरुद्ध कोई आवाज नहीं उठा पाती और अनैतिकता एवं आर्थिक अपराध की परम्परा को सिंचन मिलता रहता है। यथार्थ में देखा जाए तो जनतंत्र अर्थतंत्र बनकर रह जाता है, जिसके पास जितना अधिक पैसा होगा, वह उतने ही अधिक वोट खरीद सकेगा। लेकिन इस तरह लोकतंत्र की आत्मा का ही हनन होता है, इस सबसे उन्नत एवं आदर्श शासन प्रणाली पर अनेक प्रश्नचिन्ह खड़े होते हैं।

सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज रिपोर्ट के मुताबिक आमतौर पर चुनाव अभियान के लिए धन अलग-अलग स्रोतों से अलग-अलग तरीको से उम्मीदरवारों और राजनीतिक दलों के पास आता है। राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को चुनाव खर्च के लिए मुख्य रूप से रियल इस्टेट, खनन, कारपोरेट, उद्योग, व्यापार, ठेकेदार, चिटफण्ड कंपनियां, ट्रांसपोर्टर, परिवहन ठेकेदार, शिक्षा उद्यमकर्ता, एनआआई, फिल्म, दूरसंचार जैसे प्रमुख स्रोत है। इस साल डिजिटल मीडिया द्वारा प्रचार बहुत ज्यादा हो रहा है। राजनीतिक दल पेशेवर एजेंसिया की सेवाएं ले रहे हैं। इनसे सबसे अधिक राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों द्वारा प्रचार अभियान, रैली, यात्रा खर्च के साथ-साथ सीधे तौर पर गोपनीय रूप से मतदाताओं को सीधे नकदी, शराब, उपहारों का वितरण भी शामिल है। देश में 1952 में हुए पहले आम चुनाव की तुलना में 2024 में 500 गुणा अधिक खर्च होने का अनुमान है। प्रति मतदाता 6 पैसे से बढ़कर आज 52 रुपये खर्च होने का अनुमान है। हालांकि रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव में होने वाले वास्तविक खर्च और अधिकारिक तौर पर दिखाए गए खर्चे में काफी अंतर है। रिपोर्ट के मुताबिक 2019 के लोकसभा चुनाव में देश के 32 राष्ट्रीय और राज्य पार्टियों द्वारा आधिकारिक तौर पर सिर्फ 2,994 करोड़ रुपये का खर्च दिखाया। इनमें दिखाया गया कि राजनीतिक दलों ने 529 करोड़ रुपये उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने के लिए दिए थे। रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव में राजनीतिक दलों द्वारा निर्वाचन आयोग में पेश खर्च का ब्यौरा और वास्तविक खर्च के साथ-साथ उम्मीदवारों द्वारा अपने स्तर पर किए जा रहे खर्चे में काफी अंतर है। अमेरिकी चुनाव पर नजर रखने वाली एक वेबसाइट के रिपोर्ट का हवाला देते हुए, सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के अध्यक्ष एन भास्कर राव ने कहा कि यह 2020 के अमेरिकी चुनावों पर हुए खर्च के लगभग बराबर है, जो 14.4 बिलियन डॉलर यानी 1 लाख 20 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि दूसरे शब्दों में कहें तो भारत में 2024 में दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव अब तक का सबसे महंगा चुनाव साबित होगा।

भारत में होने वाले चुनाव में हो रहे बेसुमार खर्च की तपीश समूची दुनिया तक पहुंच रही है। समूची दुनिया के तमाम देशों में भारत के चुनाव को न केवल दम साध कर देखा जा रहा है बल्कि इन चुनाव के खर्चों एवं लगातार महंगे होते चुनाव की चर्चा भी पूरी दुनिया में व्याप्त है। लोकसभा चुनाव में भाजपा, कांग्रेस, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस आदि दलों एवं उनके उम्मीदावारों ने मतदाताओं को प्रभावित करने के लिये तिजोरियां खोल दी है। यह चुनाव राष्ट्रीय मसलों के मुकाबले राजनीतिक दलों के हित सुरक्षित रखने के वादे पर ज्यादा केंद्रित लग रहा है और टकराव के मुद्दे थोड़े ज्यादा तीखे हैं। लेकिन अगर मुद्दों से इतर अभियानों की बात करें तो यह खबर ज्यादा ध्यान खींच रही है कि इस बार चुनाव अब तक के इतिहास में सबसे खर्चीला साबित होने जा रहा है। इस चुनावों के अत्यधिक खर्चीले होने का असर व्यापक होगा।

दुनिया की आर्थिक बदहाली एवं युद्ध की विभीषिका से चौपट काम-धंधों एवं जीवन संकट में लोकसभा के चुनाव कहां कोई आदर्श प्रस्तुत कर पा रहे हैं? इस बात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है, जो लोग चुनाव जीतने के लिए इतना अधिक खर्च कर सकते हैं तो वे जीतने के बाद क्या करेंगे, पहले अपनी जेब को भरेंगे, अर्थव्यवस्था पर आर्थिक दबाव बनायेंगे। और मुख्य बात तो यह है कि यह सब पैसा आता कहां से है? कौन देता है इतने रुपये?

धनाढ्य अपनी तिजोरियां तो खोलते ही है, कई कम्पनियां हैं जो इन सभी चुनावी दलों एवं उम्मीदवारों को पैसे देती है, चंदे के रूप में। चन्दा के नाम पर यदि किसी बड़ी कम्पनी ने धन दिया है तो वह सरकार की नीतियों में हेरफेर करवा कर लगाये गये धन से कई गुणा वसूल लेती है। इसीलिये वर्तमान देश की राजनीति में धनबल का प्रयोग चुनाव में बड़ी चुनौती है। सभी दल पैसे के दम पर चुनाव जीतना चाहते हैं, जनता से जुड़े मुद्दों एवं समस्याओं के समाधान के नाम पर नहीं। कोई भी ईमानदारी और सेवाभाव के साथ चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं। राजनीति के खिलाड़ी सत्ता की दौड़ में इतने व्यस्त है कि उनके लिए विकास, जनसेवा, सुरक्षा, महामारियां, युद्ध, आतंकवाद की बात करना व्यर्थ हो गया है। सभी पार्टियां जनता को गुमराह करती नजर आती है। सभी पार्टियां नोट के बदले वोट चाहती है। राजनीति अब एक व्यवसाय बन गई है। सभी जीवन मूल्य बिखर गए है, धन तथा व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए सत्ता का अर्जन सर्वोच्च लक्ष्य बन गया है। लोकसभा चुनाव की सबसे बड़ी विडम्बना एवं विसंगति है कि यह चुनाव आर्थिक विषमता की खाई को पाटने की बजाय बढ़ाने वाले साबित होने जा रहे हैं। आखिर कब तक चुनाव इस तरह की विसंगतियों पर सवार होता रहेगा?

विशेष

स्वातंत्रोत्तर पत्रकारिता

ई. प्रभात किशोर

मोबाइल : 8544128428

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाचार-पत्रों का नया अध्याय प्रारम्भ हुआ। पत्रकारिता पूर्व की भांति सेवा का माध्यम नहीं रही। शनैः शनैः उसने व्यवसाय का रूप ग्रहण कर लिया। इस युग में समाचार-पत्रों की प्रसार संख्या में काफी वृद्धि हुई। पत्र-उद्योग कठोर एवं प्रतियोगितात्मक औद्योगिक स्थिति में पहुंच गया। समाचार-पत्र में कार्यरत पत्रकारों एवं अन्य कर्मचारियों की वेतनवृद्धि अनिवार्य हो गई। वाणिज्य व्यवसाय के कठोर नियम लागू हुए। विज्ञान एवं प्राद्योगिकी की उन्नति के साथ मुद्रण कला का विकास हुआ। समाचार-पत्र जन-संचार के सशक्त माध्यम बन गए। प्रेस लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के रूप में स्थापित हुआ। 23 सितम्बर 1952 को भारत सरकार द्वारा समाचार-पत्रों की पूरी जांच हेतु न्यायमूर्ति जीएस राजाध्यक्ष की अध्यक्षता में ग्यारह सदस्यीय समाचार-पत्र आयोग का गठन किया गया। इसके पूर्व समाचार-पत्रों के संबंध में आवश्यक तथ्य व आंकड़े नहीं थे। पत्र-उद्योग में न तो कोई विधि व्यवस्था थी और न हीं श्रमजीवी पत्रकारों के लिए कोई नियम कानून।

सन 1954 में पत्र-आयोग ने 1294 पृष्ठों वाला अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। आयोग की मुख्य अनुशंसाएं इस प्रकार हैं:- (1) पत्र-निबंधक (प्रेस रजिस्ट्रार) की नियुक्ति की जाय, जो पत्र से संबंधित तथ्य एवं सूचनाएं एकत्र करे और प्रति वर्ष अपनी रिपोर्ट प्रकाशित करे, (2) श्रमजीवी पत्रकार अधिनियम बनाया जाए, जो पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। अधिनियम में वेतन मंडल की नियुक्ति का भी प्रावधान रहे, (3) पत्रों का उच्च स्तर बनाए रखने एवं उनकी स्वतंत्रता की रक्षा हेतु प्रेस परिषद का गठन किया जाए, एवं (4) पृष्ठाधार मूल्य निर्धारण हेतु कानून बनाया जाए। उपरोक्त अनुशंसाओं के कार्यान्वयन की दिशा में भारत सरकार द्वारा कार्य किए गए। पर पृष्ठाधार मूल्य निर्धारण अधिनियम सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अवैध घोषित कर दिया गया। आयोग की एक अन्य महत्वपूर्ण अनुशंसा थी कि पत्र-उद्योग को अन्य उद्योगों के आधिपत्य से मुक्त किया जाए तथा पत्र-स्वामित्व का विस्तार करते हुए इसका प्रबंधन सार्वजनिक संरक्षण मंडल (ट्रस्ट) के हाथों सौंपा जाए। लेकिन इस अनुशंसा पर सरकार अभी तक कोई सक्रिय कदम नहीं उठा सकी है। कुछ अन्य अनुशंसाएं भी अधर में हीं लटकी रहीं।

24 मई 1978 को जनता पार्टी सरकार द्वारा उच्चतम न्यायालय के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश पी.के. गोस्वामी की अध्यक्षता में द्वितीय प्रेस आयोग का गठन किया गया। पर दो वर्ष पश्चात कांग्रेस सरकार के सत्तारूढ़ हो जाने के उपरान्त 21 अप्रैल 1980 को न्यायमूर्ति के.के. मैथ्यू की अध्यक्षता में आयोग का पुनर्गठन किया गया। 18 जून 1980 को इसके दस सदस्यों की नियुक्ति की गई। आयोग ने अप्रैल 1982 में भारत सरकार को अपने 2500 पृष्ठों का प्रतिवेदन सौंपा जिसमें अनेकों सुझाव दिए गए। आयोग की एक अन्य महत्वपूर्ण अनुशंसा थी कि पत्र-उद्योग को अन्य उद्योगों के चंगुल से मुक्त कराया जाए। छोटे व मध्यम समाचार-पत्रों एवं समाचार एजेंसियों की सहायता, समाचार व विज्ञापन के बीच निश्चित अनुपात, भारतीय भाषाओं के पत्रों के कल्याणार्थ समाचार-पत्र विकास आयोग का गठन आदि अन्य बहुत सी अनुशंसाएं भी आयोग ने कीं। पर दुर्भाग्यवश अभी तक उनके कार्यान्वयन हेतु सक्रिय कार्रवाई नहीं की गई।

सन 1947, 1965, 1971 में भारत-पाक युद्ध में भारतीय समाचार-पत्रों ने अहम भूमिका अदा करते हुए जनचेतना जागृत की तथा सरकार का समर्थन किया। सन 1962 में साम्यवादी चीन ने नेहरू की तथाकथित पंचशील नीति को ठेंगा दिखते हुए भारत के उत्तर-पूर्वी सीमा पर आक्रमण कर दिया। भारत चीन सीमा पर सरकार के कमजोर सुरक्षा नीति के कारण चीनी फौजें भारत में घुस आईं। इस अवसर पर गैर-वामपंथी समाचार-पत्रों ने देश के नौजवानों को अपने मातृभूमि के रक्षार्थ आगे आने का आह्वान किया। भारतीय क्षेत्र के हजारों वर्ग किमी पर अभी भी चीन और पाकिस्तान का कब्जा बरकरार है।

डॉ. रामचन्द्र तिवारी के विचारानुसार - (1) स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात पत्र-पत्रिकाओं में गुणात्मक विकास हुआ है, परन्तु पत्रों का पूर्ववर्ती स्वर अब नहीं रहा। संपादकों के साथ पत्रों की तेजस्विता भी घटी है, (2) पत्रों की वितरण संख्या में काफी वृद्धि हुई है, (3) पत्र-उद्योग में भारी पूंजी का प्रवेश हुआ है, (4) मुद्रण-कला की नयी-नयी तकनीकों के चालू होने से छपाई में सुधार हुआ है और कम समय में अधिक पत्रों का मुद्रण होने लगा है, (5) पत्रकारों की आर्थिक स्थिति एवं सेवा- शर्तों में सुधार हुआ है। स्व. श्रीकांत वर्मा, स्व. फनीश्वरनाथ रेणु, श्रीमती मृणाल पाण्डेय, श्रीनिवास शर्मा, राजेन्द्र अवस्थी आदि ने भी इसी प्रकार के विचार व्यक्त किए हैं। जहां तक साहित्यिक पत्रकारिता का प्रश्न है, स्व. महादेवी वर्मा के हीं शब्दों में - वह जनमानस को जागृत करे तथा प्रत्येक मानव के अंदर दीप प्रज्वलित करने की सतत प्रेरणा दे। जिस प्रकार नदियों का मीठा जल समुद्र को, समुद्र का मीठा जल बादलों को और बादल वही मीठा जल पृथ्वी पर बरसा कर जन-जन पुलकित कर देता है, ठीक उसी प्रकार साहित्यिक पत्रकारिता भी जन-जन को सुखद और कल्याणकारी पाठ्य सामग्री दे। आज देश में पत्र-पत्रिकाओं की प्रसार-संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हो चुकी है। आवश्यकता इस बात है कि समाचार-पत्र पूर्व की भांति राष्ट्र सेवा की भावना से प्रेरित होकर कार्य करें। वे अपनी निष्पक्षता व तेजस्विता बनाए रखें तथा लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ होने की गरिमा को निभाते हुए इसके रक्षार्थ तत्पर रहें। इसी में उनका, समाज का और पूरे राष्ट्र का कल्याण निहित है।

नजरिया

स्वतंत्र प्रेस की चुनौतियां

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस दुनियाभर में हर साल 3 मई को मनाया जाता है। प्रेस समाज का आइना होता है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में प्रेस की स्वतंत्रता बुनियादी जरूरत है। मीडिया की आजादी का मतलब है कि किसी भी व्यक्ति को अपनी राय कायम करने और सार्वजनिक तौर पर इसे जाहिर करने का अधिकार है। प्रेस के सामने पहले भी चुनौतियां थीं और आज भी हैं। पत्रकारिता में निर्भीकता एवं निष्पक्षता होनी चाहिए। यह एक गम्भीर व कठिन विषय माना जाता है। पत्रकारिता की मर्यादा बनाये रखना सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। भय और पक्षपात रहित पत्रकारिता के मार्ग में बड़ी चुनौतियां है। यह जोखिम भरा मार्ग है जिस पर चलना तलवार की धार पर चलना है। आज पत्रकारिता पर कई प्रकार का दवाब है। निष्पक्ष पत्रकारिता खण्डे की धार हो गयी है। मीडिया घरानों में विभक्त हो गयी है और घराने सत्ता के समक्ष नतमष्तक हो रहे है।

सत्य और तथ्य को बेलाग उद्घाटित करना सच्ची पत्रकारिता है। कलम में बहुत ताकत होती है, आजादी के दौरान पत्रकारों ने अपनी कलम के बल पर अंग्रेजों को देश छोड़ने पर मजबूर कर दिया था। प्रेस सरकार और जनता के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में अपनी महती भूमिका का निर्वहन करता है। प्रेस की चुनौतियां लगातार बढ़ती ही जा रही है। प्रेस को आंतरिक और बाहरी दोनों मोर्चों पर संघर्ष करना पड रहा है। इनमें आंतरिक संघर्ष अधिक गंभीर है। प्रेस आज विभिन्न गुटों में बंट गया है जिसे सुविधा के लिए हम पक्ष और विपक्ष का नाम देवे तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की अपेक्षा आज भी लोग प्रिंट मीडिया को अधिक विश्वसनीय मान रहा है। प्रेस को आज चौतरफा खतरे का सामना करना पड़ रहा है। कहीं शासन के कोपभाजन का सामना करना पड़ता है तो कहीं राजनीतिज्ञों, बाहुबलियों और अपराधियों से मुकाबला करना पड़ता है। समाज कंटकों के मनमाफिक नहीं चलने का खामियाजा प्रेस को भुगतना पड़ता है। दुनिया भर में प्रेस को निशाना बनाया जा रहा है। रिपोर्टिंग के दौरान मीडियाकर्मी को कहीं मौत के घाट उतारा जाता है तो कहीं जेल की सलाखों की धमकियाँ दी जाती है। मीडिया पर भी आरोप है कि वह अपनी जिम्मेदारियों का सही तरीकें से निर्वहन नहीं कर पा रहा है। कहा जा रहा है कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने हमारे सामाजिक सरोकारों को विकृत कर बाजारू बना दिया है। बाजार ने हमारी भाषा और रचनात्मक विजन को नष्ट भ्रष्ट करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी है। ऐसे में प्रेस की चुनौतियों को नए ढंग से परिभाषित करने की जरुरत है।

मीडिया के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है उसकी विश्वसनीयता बनी रहे। विश्वसनीयता और स्वतंत्रता हर क्षेत्र की जरूरत है। इसके अभाव में समाज में अराजकता उत्पन्न होना स्वभाविक है। मीडिया नागरिकों के सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त करता है। मगर देखा जाता है मीडिया सत्ता और उसके विरोधी खेमे में बंट कर अपनी विश्वसनीयता को दांव पर लगा देता है जिसका खामियाजा अंततोगत्वा लोकतंत्र को ही उठाना पड़ता है। आज सोशल मीडिया ने घर घर में पत्रकार खड़े कर दिए है जो पलक झपकते ही आप तक समाज में घटने वाली घटना ज्यों की त्यों परोस देता है। वह भी बिना लाग लपेट के। इसके अनेक खतरे भी उत्पन्न हो गए है जिससे समाज को लाभ कम और हानि अधिक होने की संभावना व्यक्त की जारही है। आज मीडिया के बेहतर फैलाव के बाद यह महसूस किया जा रहा है कि प्रेस की आजादी कायम रखी जाये मगर साथ ही जिम्मेदारी की भावना का भी निर्वहन किया जावे। समाज के कमजोर और पिछड़े तबके तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाया जावे। साम्प्रदायिकता और छदम साम्प्रदायिकता की सच्चाई से लोगों को अवगत कराया जाये। समाज के कमजोर और पिछड़े वर्गों तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाया जावे। प्रेस की आजादी का मतलभ हमारे सामाजिक नव निर्माण से है। प्रेस को अपनी स्वतंत्रता कायम रखते हुए समाज के जन जागरण में अपनी भूमिका तलाशनी होगी। प्रेस की चुनौतियां व्यापक है जिसे चंद शब्दों में बांधा नहीं जा सकता। आवश्यकता इस बात की है की समाज में गैर बराबरी पर हमला बोल कर समता और न्याय का मार्ग प्रशस्त हो सके इसमें प्रेस के साथ हम सब की भलाई निहित है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत को वृद्धि कायम रखने के लिए बुजुर्गों को स्वास्थ्य बीमा दायरे में लाने की जरूरत : एडीबी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्बिलिसी। बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य बीमा के मामले में भारत एशिया-प्रशांत देशों में सबसे निचली कतार में है और उसे तेजी से बढ़ती आबादी की जरूरतों को पूरा करने और वृद्धि की रफ्तार को कायम रखने के लिए सबको स्वास्थ्य बीमा के दायरे में लाने की जरूरत है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने बृहस्पतिवार को 'एजिंग वेल इन एशिया' शीर्षक से जारी एक रिपोर्ट में कहा कि दक्षिण कोरिया और थाइलैंड ने सार्वभौमिक (यूनिवर्सल) स्वास्थ्य कवरेज हासिल कर लिया है, जबकि भारत समेत कई देश पीछे हैं। इन देशों में वृद्ध लोगों के बीच स्वास्थ्य बीमा की पहुंच सबसे कम 21 प्रतिशत है।

हालांकि, एडीबी की वरिष्ठ अर्थशास्त्री एइको किकावा ने कहा कि गरीब लोगों को नकदी रहित (कैशलेस) स्वास्थ्य बीमा देने वाली आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं आने के बाद से बुजुर्गों का स्वास्थ्य कवरेज बेहतर हुआ है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य बीमा का दायरा बढ़ाने से स्थिति में सुधार होगा और 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग अर्थव्यवस्था के लिए अधिक उत्पादक बन पाएंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे देशों को अधिक उम्र वाले लोगों की मौजूदगी से मिलने वाला 'लाभांश' अधिक हो सकता है। किकावा ने कहा कि सबको स्वास्थ्य बीमा के दायरे में लाने के अलावा बुजुर्गों की शारीरिक और कार्यात्मक क्षमता को अनुकूलित करने वाली आवश्यक सेवाओं और गतिविधियों का विस्तार करना भी महत्वपूर्ण है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश, इंडोनेशिया और भारत में स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच से वंचित आधे से अधिक लोग निचली 40 प्रतिशत आबादी का हिस्सा हैं। हालांकि, रिपोर्ट कहती है कि 2031-40 के दशक में उम्रदराज़ आबादी के कारण आर्थिक वृद्धि पर प्रभाव भारत के मामले में कम पड़ेगा क्योंकि यहां उस समय भी युवा आबादी का अनुपात अधिक होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, विकासशील एशिया और प्रशांत देशों में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की संख्या वर्ष 2050 तक लगभग दोगुनी होकर 1.2 अरब हो जाएगी।

'फ्रेस्नो गोलीबारी कांड में मारा गया व्यक्ति गोल्डी बराड़ नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य की पुलिस ने इन खबरों को खारिज किया है कि फ्रेस्नो शहर में हुई गोलीबारी में मारा गया व्यक्ति कनाडा निवासी आतंकवादी सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ था। बराड़ को पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या की घटना का मास्टरमाइंड बताया जाता है। फ्रेस्नो बी अखबार की खबर के अनुसार, पुलिस ने बुधवार को कहा कि फेयरमोंट-होल्ट एवेन्यू की एक गली में गैंगवार की घटना में मारे गए व्यक्ति की पहचान 37 वर्षीय जेवियर ग्लैडनी के रूप में हुई है।

पुलिस ने यह भी कहा कि यह घटना भारत में हुई मूसेवाला की हत्या से जुड़े मामले से संबंधित नहीं है। इसने कहा कि भारतीय मीडिया में बुधवार को अटकलें लगाई गईं कि घटना में मारा गया व्यक्ति मूसेवाला की हत्या की घटना का मास्टरमाइंड बराड़ था। अखबार के अनुसार, फ्रेस्नो पुलिस ने कहा कि विभाग को अंतरराष्ट्रीय मीडिया से कई कॉल आ रही हैं और अधिकारी भारत तथा अमेरिका में हुईं घटनाओं के बीच संबंध की बात को खारिज करने पर कार्य कर रहे हैं।

गोलीबारी की सूचना मिलने के बाद पुलिस अधिकारी मंगलवार शाम 5:30 बजे फेयरमोंट-होल्ट की संबंधित गली में पहुंचे। अधिकारियों को घटनास्थल पर ग्लैडनी घायल अवस्था में मिला जिसे गोली लगी थी। उसे सामुदायिक क्षेत्रीय चिकित्सा केंद्र ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना में घायल हुए 13 वर्षीय एक बच्चे को भी अस्पताल ले जाया गया। फ्रेस्नो पुलिस के अधिकारी लेफ्टिनेंट पॉल सेर्वेंट्स ने बुधवार को कहा कि 13 वर्षीय बच्चा गोलीबारी के समय घटनास्थल पर था। उन्होंने बताया कि हमलावर की पहचान 33 वर्षीय डेरेन विलियम्स के रूप में हुई है। सेर्वेंट्स ने कहा कि घटना का कारण गिरोह संबंधी पारस्परिक विवाद था और विलियम्स की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी किया गया है।

प्रतिबंधित बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़ा बराड़ हत्याओं को अंजाम देने के उद्देश्य से सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से भारत में आधुनिक श्रेणी के हथियारों, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री की तस्करी तथा हमलावर उपलब्ध कराने में शामिल रहा है। वह पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब का निवासी है और वर्तमान में कथित तौर पर कनाडा के ब्रैम्पटन में रह रहा है।

उसे इस साल भारत सरकार ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आतंकवादी घोषित किया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय की एक अधिसूचना के अनुसार, बराड़ को पाकिस्तान से मदद मिलती रही है और वह कई हत्याओं तथा कट्टरपंथी विचारधारा से लोगों को बरगलाने में शामिल रहा है।

मणिपुर में हिंसा का एक साल

मेइती-कुकी दंपत्ति अलग-अलग रहने को मजबूर, भविष्य को लेकर आशंकित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/चुराचंद्रपुर (मणिपुर)। मणिपुर में पिछले साल मई में जातीय हिंसा भड़कने के बाद कई मेइती-कुकी दंपतियों को अलग-अलग रहना पड़ रहा है। महीने में केवल एक बार मिलना, बच्चों को नहीं देख पाना और भविष्य में रिश्ता टूटने का डर उनकी नियति बन गया है। जातीय संघर्ष से प्रभावित राज्य में इंफाल घाटी में मेइती बहुतायत में हैं तो कुकी समुदाय के लोग पर्वतीय क्षेत्रों में रह रहे हैं। राज्य में अब भी स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है जहां अंतरजातीय विवाह करने वाले दंपत्ति अब तक इस हिंसा का दंश झेल रहे हैं। तीन मई, 2023 के बाद से हिंसा में अब तक 200 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और हजारों लोग विस्थापित हो गए। इन दंपतियों की अनेक करुणा भरी कहानियां हैं। एक मां है जो महीने में एक बार अपने बच्चों से मिल पाती है तो एक पिता ने अपनी बेटी के जन्म से अब तक उसे नहीं देखा है। यहां तक कि ऐसे हालात बन गए हैं कि परिवारों पर टूटने का खतरा भी पैदा हो गया है।

जातियों के बीच टकराव के हालात ऐसे हैं कि एक महिला को लगता है कि कहीं उसका पति उसे छोड़ तो नहीं देगा, वहीं एक शादीशुदा जोड़ा सोच रहा है कि उनका भविष्य अब क्या होगा। भविष्य को लेकर इन लोगों के मन में अनिश्चितता बनी हुई है। कुकी समुदाय से ताल्लुक रखने वाली इरेने हाओकिप शादी के बाद इंफाल में रहने लगीं। 42 वर्षीय हाओकिप को पिछले साल कुकी बहुल चुराचांदपुर में अपने माता-पिता के पास लौटना पड़ा। वहीं, उनके पति और पांच साल का एक बेटा तथा तीन साल की बेटी इंफाल में ही रह रहे हैं। हाओकिप ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मेरे पति निर्माण मजदूर के रूप में काम करते थे। मेरी उनसे मुलाकात बिष्णुपुर में पड़ोस में एक मकान के निर्माण के दौरान हुई थी। हमें प्यार हो गया। वह मुझसे मिलने अक्सर इलाके में आते थे। हमने 2018 में शादी कर ली और हमारे दो बच्चे हुए। बिष्णुपुर मेइती बहुल इंफाल और कुकी बहुल चुराचांदपुर के बीच है। यहां पहले दोनों समुदायों के लोग रहते थे और अब इसे 'बफर जोन' माना जाता है। हाओकिप ने कहा, मेरे पति ने पिछले साल मुझे मेरे माता-पिता के पास भेज दिया। उन्हें संघर्ष शुरू होने के बाद घाटी में मेरी सुरक्षा की फिक्र थी। बच्चे उनके साथ हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि मेइती के बच्चे होने की वजह से वे चुराचांदपुर में सुरक्षित नहीं हैं।

हाओकिप हर महीने पड़ोसी राज्य मिजोरम में अपने पति और बच्चों से मिलने जाती हैं। इसके लिए उन्हें एक तरफ से 15 घंटे सफर करना होता है। वह (पति) वहां बच्चों को भी लेकर आते हैं। कई अन्य दंपति भी ऐसा कर रहे हैं। हम महीने में एक बार मिलते हैं और अपने-अपने घर वापस आ जाते हैं। मेरे बच्चे मेरी कमी महसूस करते हैं लेकिन यह जिंदा रहने और मां की ममता के बीच किसी एक चीज को चुनने जैसा है।

अश्वत्थामा बन अमिताभ ने बढ़ाया टीम इंडिया का हौंसला

मुंबई/एजेन्सी

आईपीएल का यह सीजन अपना आधा सफर पूरा कर चुका है। इस प्रतियोगिता के बाद टीम इंडिया को आगामी महीने से ढ20 थउ में जाना है। क्रिकेट प्रशंसकों को उम्मीद है कि इस बार टीम इंडिया यह विश्व कप अपने घर लेकर लौटेगी। T2-WC के लिए टीम इंडिया की घोषणा की जा चुकी है। इस विश्व कप से पहले सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने अलग अंदाज में टीम इंडिया की हौंसला अफजाई की है। अमिताभ बच्चन ने अपनी अपकमिंग फिल्म कल्कि के अश्वत्थामा के किरदार में भारतीय खिलाड़ियों को मैसेज दिया है। अमिताभ बच्चन के ये खास संदेश वाली वीडियो नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से शेयर की है। वीडियो की शुरुआत में अमिताभ बच्चन कह रहे हैं, 'ये महायुद्ध है, अब हो जा तू तैयार। अब बन जा वीर, बुलंद कर अपनी तकदीर, दिखा दम, लगा दम। अमिताभ बच्चन जैसे-जैसे कविता पढ़ रहे हैं, वीडियो में बैकग्राउंड में 'कल्कि 2898 एडी' का म्यूजिक चल रहा है। साथ ही, इस वीडियो में टीम इंडिया के खिलाड़ी नजर आ रहे हैं। रोहित शर्मा, विराट कोहली, और हार्दिक पांडेया के साथ-साथ वीडियो में महेंद्र सिंह धोनी, और हरभजन सिंह भी नजर आ रहे हैं। गौरतलब है कि अमिताभ बच्चन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन अश्वत्थामा का किरदार निभा रहे हैं। अमिताभ की इस फिल्म में प्रभास, दीपिका पादुकोण, कमल हासन, दिशा पाटनी जैसे कलाकार नजर आएंगे। यह फिल्म 27 जून 2024 को रिलीज होगी। यह पहली बार होगा जब दीपिका और प्रभास एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे।

वहीं, अगर टी 20 वर्ल्ड कप की बात करें तो भारत अपने अभियान की शुरुआत 5 जून को न्यूयॉर्क में आयरलैंड के खिलाफ करेगा। रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या (उप-कप्तान), रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, संजू सैमसन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज टी 20 वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा हैं। वहीं, शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद और आवेश खान को रिजर्व में रखा गया है।

रजनीकांत की बायोपिक बनायेंगे साजिद नाडियाडवाला

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार साजिद नाडियाडवाला , दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक रजनीकांत की बायोपिक बना सकते हैं। बॉलीवुड में चर्चा है कि साजिद नाडियाडवाला,रजनीकांत की बायोपिक बना सकते हैं। साजिद इन दिनों सलमान खान को लेकर फिल्म सिंकदर बना रहे हैं।चर्चा है कि साजिद, रजनीकांत की बायोपिक भी बनाने वाले हैं। साजिद नाडियाडवाला,रजनीकांत के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। साजिद का मानना है कि रजनीकांत के एक बस कंडक्टर से सुपरस्टार बनने के सफर के बारे में दुनिया को बताना चाहिये।

कहा जा रहा है कि रजनीकांत की बायोपिक बनाने के अधिकार खरीदने के लिए साजिद नाडियाडवाला ने उनके साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। पिछले कुछ महीनों से साजिद कहानी की प्रामाणिकता के लिए रजनीकांत और उनके परिवार के साथ लगातार संपर्क में हैं। फिलहाल फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। यदि सब ठीक रहा तो अगले साल इसकी शूटिंग आरंभ होगी। हालांकि यह देखना दिलचस्प होगा कि रजनीकांत की भूमिका कौन निभायेगा।

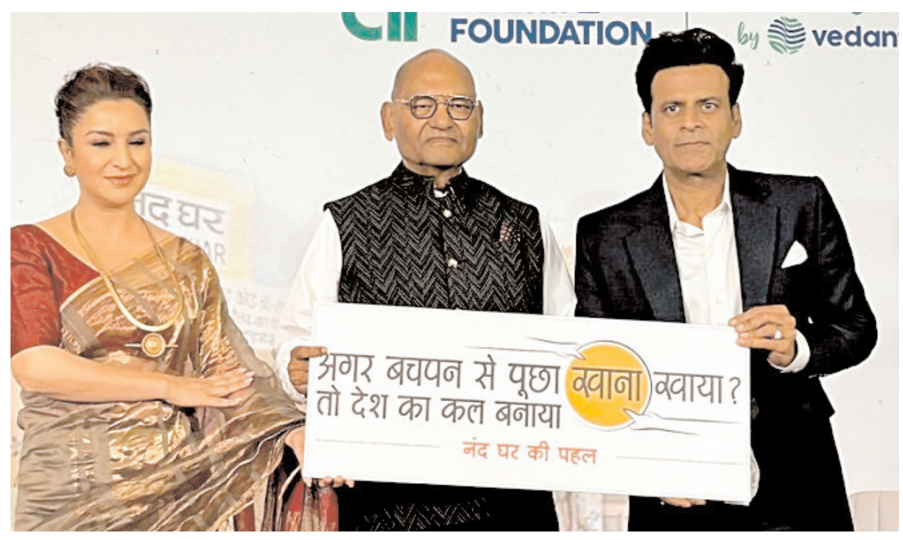

नंद घर मुहिम से जुड़े मनोज बाजपेयी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जाने माने अभिनेता मनोज वाजपेयी नंद घर मुहिम से जुड़ गये हैं, जिसका उद्देश्य सात करोड़ बच्चों और दो करोड़ महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाना है। 14 लाख आंगनवाड़ियों में सुधार करने के लक्ष्य के तहत, नंद घर ने अभिनेता मनोज बाजपेयी के साथ पूरे देश में एक विशेष कैंपेन की शुरुआत की है, जिसका शीर्षक है अगर बचपन से पूछा खाना खाया, तो देश का कल बनाया।नंद घर द्वारा चलाए जा रहे इस कैंपेन का उद्देश्य भावी पीढ़ी को पोषित करना है, जिसमें समग्र स्वास्थ्य देखभाल, गुणवत्तापूर्ण पोषण और बच्चों को सर्वोत्तम प्री-स्कूल शिक्षा प्रदान करना शामिल है।

इस मुहिम में शामिल होने पर मनोज बाजपेयी का स्वागत करते हुए, श्री अनिल अग्रवाल, चेयरमैन, वेदांता, ने कहा, प्रोजेक्ट नंद घर पूरे देश में बच्चों और महिलाओं को स्वस्थ और सुपोषित रहने में मदद करने पर केंद्रित है। मनोज बाजपेयी जी का इस महत्वपूर्ण मुहिम से जुड़ना हमारे लिए गर्व का विषय है। उनके निजी जीवन के अनुभव भावी पीढ़ियों के जीवन को बेहतर और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, जो कि नंद घर के उद्देश्य के साथ बखूबी मेल खाते हैं।

नंद घर के साथ जुड़ने को लेकर उत्साहित, श्री मनोज बाजपेयी ने कहा, व्यक्तिगत तौर पर भूख की पीड़ा से गुज़रने के कारण मेरा मानना है कि जो व्यक्ति भूख का सामना करता है, उसका शरीर, मस्तिष्क और भावनायें काफी प्रभावित होती हैं।

इसके समाधान के रूप में प्रोजेक्ट नंद घर जैसी पहलें बेहद कारगर हैं। यह सिर्फ यही सुनिश्चित नहीं करती है कि बच्चों को उचित पोषण मिले, बल्कि यह उज्जवल भविष्य के रूप में आशा और अवसर भी लेकर आती है। आइए, नंद घर की इस पहल के माध्यम से हम सभी मिलकर बच्चों के बेहतर पोषण में योगदान दें और एक उज्जवल भारत की नींव रखें।

फिल्म 'गेम चेंजर' की शूटिंग कर रहे हैं राम चरण

मुंबई/एजेन्सी

स्टार राम चरण अपनी अपकमिंग फिल्म 'गेम चेंजर' की शूटिंग के लिए इन दिनों चेन्नई में हैं। एक करीबी सूत्र ने कहा कि एक्टर शूटिंग के लिए दो दिनों तक चेन्नई में रहेंगे। राम चरण को बुधवार को खाकी पैंट के साथ कैजुअल सफेद शर्ट पहने हवाई अड्डे में प्रवेश करते देखा गया। उन्होंने बेसबॉल कैप, धूप का चश्मा और स्नीकर्स के साथ अपना लुक पूरा किया। 'गेम चेंजर' एक तेलुगु पॉलिटिकल एक्शन थ्रिलर है जिसमें राम चरण ने ट्रिपल भूमिका निभाई है। फिल्म में कियारा आडवाणी, अंजलि, एस जे सूर्या, जयराम, सुनील, श्रीकांत, समुथिरकानी और नासर शामिल हैं।

एस शंकर द्वारा निर्देशित फिल्म की कहानी कार्तिक सुब्बाराज द्वारा लिखी गई है। यह पहली बार नहीं है जब राम और कियारा स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगे। दोनों ने इससे पहले बोयापति श्रीनु की फिल्म 'विनय विद्या राम' में अभिनय किया था, जो 2019 में रिलीज हुई थी।

दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट में जॉली एलएलबी 3 की शूटिंग शुरू करेंगे अक्षय-अरशद

नयीदिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवड अभिनेता अक्षय कुमार और अरशद वारसी दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट में फिल्म जॉली एलएलबी 3 की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। वर्ष 2013 में सुभाष कपूर के निर्देशन में बनी 'जॉली एलएलबी' में अरशद वारसी ने मुख्य भूमिका निभायी थी। इसके बाद वर्ष 2017 में जॉली एलएलबी की सीक्वल प्रदर्शित हुयी, जिसमें अक्षय कुमार की मुख्य भूमिका थी।लंबे समय से इस फ्रेंचाइजी के फैंस को इसके तीसरे पार्ट का इंतजार है। कहा जा रहा है कि जॉली एलएलबी 3 में अक्षय और अरशद एक साथ दिखेंगे। बताया जा रहा है कि जॉलीएलएलबी 3 की शूटिंग राजस्थान में शुरू हो चुकी है। कहा जा रहा है कि अक्षय और अरशद जल्द ही दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट में जॉलीएलएलबी 3 की शूटिंग शुरू करने वाले हैं।शूटिंग जून से जुलाई तक 30-40 दिनों तक चल सकती है। बताया जा रहा है कि 2024 में फिल्म की शूटिंग पूरी हो जाएगी और 2025 में फिल्म थिएटर्स में दस्तक दे सकती है।

कभी बहन, तो कभी मां और दादी के किरदार में फरीदा जलाल ने बनायी लोगों के दिलों में जगह

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर एक्ट्रेस फरीदा जलाल ने पर्दे पर हीरो की बहन, मां और दादी जैसे कई किरदार निभाए हैं। फरीदा ने 17 साल की उम्र में फिल्म 'तकदीर' से अपना सफर शुरू किया। सूरज बड़जात्या के दादा ताराचंद बड़जात्या ने उन्हें रोल ऑफर किया था। कैसे उन्हें उनकी पहली भूमिका की पेशकश की गई, इसकी अपनी एक कहानी है, कुछ ऐसा जो शायद ही कलाकारों के साथ होता है। वह यूनाइटेड फिल्म प्रोड्यूसर्स टैलेंट हंट का हिस्सा थीं, जिसे उन्होंने जीता, जहां उनके को-फाइनलिस्ट हिंदी सिनेमा के पहले सुपरस्टार राजेश खन्ना थे। जब काका और फरीदा को विजेता का ताज पहनाया जा रहा था, तब ताराचंद दर्शकों के बीच बैठे थे। यही वह समय था जब ताराचंद ने उन्हें अपनी फिल्म में गीता की भूमिका की पेशकश की। फरीदा ने सिनेमा में कई किरदार निभाए हैं, लेकिन उनके टाइपकास्ट होने का पहला फेज तब शुरू हुआ जब उन्हें 'गोपी' में दिलीप कुमार की बहन की भूमिका की पेशकश की गई।

एक्ट्रेस ने पहले इंटरव्यू में कहा था कि उन्होंने फिल्म में दिलीप कुमार की बहन की भूमिका निभाने का मौका इसलिए छोड़ दिया क्योंकि वह अभिनेता से प्यार करती थीं। इसके बाद उन्हें हीरो की बहन की कई भूमिकाएं मिलीं, जिसमें उन्होंने धर्मेंद्र, जीतेंद्र, मनोज कुमार, संजीव कुमार और अमिताभ बच्चन जैसे कलाकारों के साथ काम किया। 1990 के दशक में एक्ट्रेस ने मां के किरदार निभाने शुरू कर दिए। हिंदी सिनेमा की ऐतिहासिक फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है', 'बिच्छू' जैसी फिल्मों में उनके रोल्स को याद किया जाता है। एक्ट्रेस प्रतिष्ठित भारतीय सिटकॉम 'देख भाई देख' और ड्रामा शो 'बालिका वधू' का हिस्सा रही हैं। हाल ही में उन्हें संजय लीला भंसाली की ओटीटी डेब्यू 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में कुदसिया बेगम की भूमिका निभाते हुए देखा गया है, जो ताहा शाह बादुशा के ताजदार, नवाब के किरदार की दादी हैं। उनका 57 साल का करियर उनकी प्रतिभा का प्रमाण है। उनकी हर एक परफॉर्मेंस शानदार रही है, जिसे लोग हमेशा याद रखते हैं।

बहुत गुणा-भाग करके किरदार नहीं चुनता : राजकुमार राव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर। अभिनेता राजकुमार राव ने बुधवार को कहा कि वह हमेशा चुनौतीपूर्ण किरदार अदा करना चाहते हैं, लेकिन इनके चयन के वक्त ज्यादा गुणा-भाग करने के बजाय अपने दिल की आवाज पर फैसला करते हैं। राव ने इंदौर में कहा, मैं हमेशा चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहता हूं, लेकिन मैं बहुत गुणा-भाग करके किरदार नहीं चुनता। मुझे जिस किरदार के लिए अपने दिल के भीतर से आवाज आती है, मैं उसे निभाता हूं। राव 10 मई को रिलीज होने वाली फिल्म श्रीकांत आ रहा है सबकी आंखें खोलने के प्रचार के लिए यहां पहुंचे थे। उद्यमी श्रीकांत बोला के जीवन की सच्ची कहानी पर आधारित इस फिल्म में उन्होंने एक दृष्टिबाधित व्यक्ति का किरदार निभाया है। अभिनेता ने कहा, मैंने इस किरदार के लिए बहुत ज्यादा तैयारी की। मैंने दृष्टिबाधितों के विद्यालय में काफी वक्त बिताया और

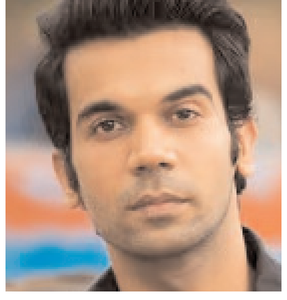

उनके वीडियो बनाए। मैं अपने घर जाकर ये वीडियो देखता रहता था ताकि मैं अपना किरदार अच्छे से निभाने के लिए दृष्टिबाधितों के हाव-भाव समझ सकूं।

राव इस बात से इत्तेफाक नहीं रखते कि ओटीटी मंचों के मौजूदा दौर में भव्य और मार-धाड़ वाली फिल्में ही दर्शकों की भीड़ को सिनेमाघरों तक खींच सकती हैं। उन्होंने कहा, सामाजिक कहानियों पर आधारित कुछ फिल्मों ने हाल ही में सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन किया है।

मेरा मानना है कि अगर किसी फिल्म की कहानी अच्छी है और इसमें अभिनेताओं का प्रदर्शन काबिले-तारीफ है, तो लोग फिल्म देखने सिनेमाघर जरूर जाएंगे। राव ने कहा कि वह ओटीटी मंचों को बेहद सकारात्मक तरीके से देखते हैं क्योंकि इनके कारण मनोरंजन जगत का विस्तार हो गया है। उन्होंने कहा, ओटीटी मंचों से काफी रोजगार पैदा हो रहे हैं। इनके कारण ऐसे प्रतिभाशाली कलाकारों को अच्छा काम मिल रहा है जिन्हें पहले किसी वजह से काम नहीं मिल पा रहा था या छोटे किरदार मिल रहे थे।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के हिंदी रचनाकारों की सुप्रसिद्ध संस्था 'शब्द' ने उत्कृष्ट साहित्य लेखन तथा हिंदी के संवर्द्धन के लिए शुरू किए गए अपने दो वार्षिक पुरस्कारों के लिए प्रविष्टियाँ आमंत्रित की हैं।

चुनावी रैली

रांची के मोरहाबादी मैदान में गुरुवार को रांची के सांसद संजय सेठ के पक्ष में एक चुनावी रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुखौटा पहने भाजपा समर्थक।

'शब्द' पुरस्कारों के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित

अनुशंसा- प्रविष्टियाँ अध्यक्ष : शब्द, बी - 8 / 403, श्रीराम स्पंदन, चेलघट्टा, बेंगलूरु- 560037 के पते पर आगामी 30 जून, 2024 तक मिल जानी चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हिंदी रचनाकारों की सुप्रसिद्ध संस्था 'शब्द' ने उत्कृष्ट साहित्य लेखन तथा हिंदी के संवर्द्धन के लिए शुरू किए गए अपने दो वार्षिक पुरस्कारों के लिए प्रविष्टियाँ आमंत्रित की हैं। इनमें पहला पुरस्कार एक लाख रुपए का अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान है, जिसे देश के किन्हीं एक मूर्द्धन्य साहित्यकार को दिया जाता है। दूसरा पुरस्कार इक्कीस हजार रुपए का दक्षिण भारत शब्द हिंदीसेवी सम्मान है, जिसे दक्षिण भारत में हिंदी भाषा और साहित्य के संवर्द्धन में उल्लेखनीय योगदान के लिए किन्हीं एक विशिष्ट हिंदी सेवी को प्रदान किया जाता है। यह जानकारी 'शब्द' साहित्यिक संस्था' के अध्यक्ष डॉ श्रीनारायण समीर ने आज जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी है।

विज्ञप्ति के अनुसार अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान - 2024 के लिए योग्य रचनाकार का चयन देश के प्रतिष्ठित साहित्यकारों/ संपादकों/ विद्वानों/ प्रकाशन संस्थानों के द्वारा अनुशंसित कवियों एवं लेखकों के साहित्यिक अवदान तथा विगत 3 वर्षों (वर्ष2021 -2023) में प्रकाशित उनकी कृतियों के पारदर्शी मूल्यांकन के आधार पर किया जाएगा। इसके लिए प्रविष्टियां आमंत्रित हैं। प्रविष्टि में रचनाकार का नाम और संपर्क पता (मोबाइल नंबर, मेल आईडी सहित), विगत 3 वर्षों में प्रकाशित पुस्तक का विवरण और उसकी विशेषता (प्रकाशक का नाम और पता, मोबाइल / फोन / मेल आई डी सहित) तथा रचनाकार के समग्र अवदान का संक्षिप्त विवरण (अधिकतम 200 शब्दों में) अपेक्षित होगा। प्रविष्टि के साथ संबंधित पुस्तक की 4 प्रतियाँ भेजना जरूरी होगा।

दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान - 2024 के लिए योग्य हिंदी सेवी का चयन दक्षिण भारत में रहने वाले हिंदी सेवियों / सर्जकों के बीच से किया जाएगा । इनके चयन का आधार दक्षिण भारत के प्रतिष्ठित साहित्यकारों / संपादकों / विद्वानों / सार्वजनिक जीवन के प्रतिष्ठित नागरिकों के द्वारा अनुशंसित नामों में से हिंदी के विकास एवं संवर्द्धन में उनके अवदान के मद्देनजर तथा विगत वर्षों में उनकी उपलब्धियों का पारदर्शी मूल्यांकन होगा ।

अनुशंसा- प्रविष्टियाँ अध्यक्ष : शब्द, बी - 8 / 403, श्रीराम स्पंदन, चेलघट्टा, बेंगलूरु- 560037 के पते पर आगामी 30 जून, 2024 तक मिल जानी चाहिए । 'शब्द' के अध्यक्ष डॉ समीर के अनुसार संस्था के प्रति बेंगलूरु के साहित्यिक समाज के विश्वास का यह प्रमाण है कि अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान का व्यय वहन नगर के प्रसिद्ध समाजसेवी और महान आधुनिक कवि-लेखक सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय साहित्य के अनुरागी 'श्री बाबूलाल गुप्ता फाउंडेशन' के द्वारा किया जाता है, जबकि दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान का व्यय वहन बेंगलूरु और चेन्नई से प्रकाशित प्रमुख हिंदी दैनिक समाचार पत्र 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' के द्वारा किया जाता है। शेष व्यय का वहन 'शब्द' के सदस्यगण स्वेच्छा से करते हैं। इन पुरस्कारों की शुरुआत संस्था के ऐतिहासिक रजत जयंती वर्ष 2022 में की गई। पहला अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान मूर्धन्य कवि मदन कश्यप को और दूसरा मूर्धन्य कथाकार हृषीकेश सुलभ को प्रदान किया गया। इसी तरह पहला दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान केरल के सुप्रसिद्ध विद्वान प्रो अरविंदाक्षन को और दूसरा कर्नाटक की वयोवृद्ध हिंदी सेवी बी एस शांता बाई को प्रदान किया गया।

प्रज्ज्वल रेवन्ना के पूर्व चालक के वीडियो बयान जारी करने को लेकर कर्नाटक में विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी ने कहा है कि हासन से जद (एस) सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना से जुड़े 'सेक्स स्कैंडल' वीडियो के संबंध में अज्ञात स्थान से वीडियो बयान जारी करने वाला प्रज्ज्वल रेवन्ना का पूर्व कार चालक वर्तमान में मलेशिया में है। कुमारस्वामी ने ऐसे कदम के पीछे के मकसद पर सवाल उठाया। चालक कार्तिक ने मंगलवार को जारी एक वीडियो बयान में कहा कि उसने प्रज्ज्वल रेवन्ना से कथित तौर पर जुड़ी तस्वीरें और वीडियो भाजपा नेता देवराजे गौड़ा के अलावा किसी और को नहीं दिए।

प्रज्ज्वल रेवन्ना से संबंधित अश्लील वीडियो क्लिप जारी करने को लेकर उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार पर आरोप लगा रहे जनता दल (सेक्युलर) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष कुमारस्वामी ने चालक कार्तिक की मलेशिया यात्रा में शिवकुमार और उनके भाई एवं कांग्रेस सांसद डी के सुरेश की भूमिका की संभावना का भी संकेत दिया। कुमारस्वामी ने अश्लील वीडियो क्लिप जारी करने का आरोप उन पर लगाए जाने को लेकर लिए 'डीके' बंधुओं- शिवकुमार और सुरेश पर निशाना साधते हुए कहा, चालक का वीडियो बयान जारी किया गया... वह (कार्तिक) कहां है? वह (वीडियो बयान) कहां से दिया गया और जारी किया गया? वीडियो जल्दबाजी में क्यों बनाया गया और समाचार चैनलों को दिया गया? किसने दिया? वह मलेशिया में है। उन्होंने बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए सवाल किया, कार्तिक को मलेशिया किसने भेजा? वहां से वीडियो भेजने की क्या जरूरत है?

कुमारस्वामी पर कटाक्ष करते हुए शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को कहा, क्या ऐसा है? क्या मेरे भाई (कुमारस्वामी के संदर्भ में) ने ऐसा कहा है? अगर मेरे भाई ने कहा है, तो मेरे भाई को सारी जानकारी है। उन्हें केंद्र से जानकारी लेने दीजिए- -किसने (वीडियो) भेजा है, ये सब किसने किया। क्या मैं पागल हूं? मैं सड़क पर लड़ूंगा, लेकिन किसी को कहीं भेजकर नहीं। मुझे ऐसी चीजें करने की जरूरत नहीं है, उन्हें (कुमारस्वामी) ऐसी चीजें करने की जरूरत हो सकती है।

उन्होंने कहा, उस लड़के (कार्तिक) ने कहा है कि उसने (अश्लील वीडियो क्लिप वाला एक पेन ड्राइव) भाजपा के देवराजे गौड़ा को दिया था। वकील (देवराजे गौड़ा) ने कहा है, वह कुमारन्ना (कुमारस्वामी) और गौड़ा (देवेगौड़ा) का सम्मान करते हैं तथा उन्होंने उनसे मुलाकात की थी और (क्लिप के बारे में कुमारस्वामी को) सूचित किया था। अश्लील क्लिप किसने जारी की, यह अलग बात है, इस पर बाद में चर्चा करते हैं, मैं इसके लिए तैयार हूं। अभी (स्कैंडल से) नहीं भटकते हैं। प्रज्ज्वल रेवन्ना (33) एच डी देवेगौड़ा के बड़े बेटे एच डी रेवन्ना के बेटे हैं। एच डी रेवन्ना विधायक और पूर्व मंत्री हैं। प्रज्ज्वल हासन से भाजपा-जद (एस) गठबंधन के उम्मीदवार थे, जहां 26 अप्रैल को मतदान हुआ था।

हाल के दिनों में प्रज्ज्वल रेवन्ना से संबंधित कथित अश्लील वीडियो क्लिप हासन में प्रसारित हुई थी। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने सांसद से जुड़े कथित सेक्स स्कैंडल की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है।

साधु संत स्वयं के साथ साथ पर का भी भला चाहते हैं : आचार्यश्री महेन्द्रसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुधोल। स्थानीय सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक गुजराती संघ में पहुंचे आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी का विशेष स्वागत किया गया। जिनालय में दर्शन के पश्चात आयोजित प्रवचन में आचार्यश्री ने कहा कि महाव्रतधारी साधु जीवन को अनगिनत गुणों की गरिमा से समृद्ध बनाते है। उनके वात्सल्यमय प्रेरक वचनों से प्रेरित होकर कई आत्माएं श्रेष्ठ कोटि का साधु जीवन या श्रेष्ठ कोटि का श्रावक जीवन जीते हैं। वे स्वयं के लिए निष्कलंक जीवन जीते ही है किंतु जगत के लिए भी निस्वार्थ जीवन जीते हैं। साधुओं के संयमपूर्ण जीवन की तुलना में संसारियों के जीवन में बेहिसाब असंयम दिखाई पड़ता है। साधुओं के जीवन में अंतिम सांस तक जयणा या जीवरक्षा होती हैं वहीं श्रावक जीवन में कई प्रकार की विराधना होती रहती है। साधु की भक्ति-वंदन-वैयावच्च से साता दे ऐसे शुभकर्म का बंध होता है और साधु के जीवन में हो रही आराधना का पुण्य उनकी भक्ति करने वाला भी होता है।

गौसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु की राजस्थान महिला समाज की सदस्याएं पुष्पा कोठारी, ललिता चौहान, बादामीबाई जैन, बबीता जैन, चन्द्रा पटवारी, प्रभा सालेचा, पुष्पा सालेचा, पुष्पा ओसवाल ने गुरुवार को पिंजरापोल गौशाला में गायों को हरा घास, फल, गुड आदि खिलाया तथा गौसेवा की।

प्रज्ज्वल मामले की गूंज पूरे देश में सुनाई देगी

भाजपा को स्पष्टीकरण देना मुश्किल होगा : थरूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कहा है कि जनता दल (एस) के सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना के पक्ष में चुनाव प्रचार करने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को स्पष्टीकरण देना मुश्किल होगा और इस 'सेक्स स्कैंडल' की गूंज केवल कर्नाटक ही नहीं बल्कि लोकसभा चुनाव के शेष चरणों में पूरे देश में सुनाई देगी।

यह पूछे जाने पर कि क्या यह मामला चुनाव में भाजपा को प्रभावित करेगा, थरूर ने कहा, वास्तविकता यह है कि यह सज्जन भाजपा के सहयोगी हैं। भाजपा ने हाल ही में संपन्न चुनाव में उनके लिए प्रचार किया था। इसलिए उन्हें यह स्पष्टीकरण देने मे परेशानी होगी कि उन्हें वास्तव में कोई जानकारी नहीं थी... यह पता चला है कि उन्हें जानकारी थी और चुनाव से कुछ समय पहले, एक भाजपा विधायक को ये आपत्तिजनक वीडियो मिले थे। कांग्रेस नेता यहां पीटीआई मुख्यालय में संपादकों के साथ बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा, ''इन परिस्थितियों के मद्देनजर, मुझे लगता है कि भाजपा को नुकसान होगा। अब भाजपा पासा पलटने की कोशिश कर रही है और कह रही है कि कांग्रेस ने कोई कार्रवाई क्यों नहीं की तथा कांग्रेस ने उन्हें जाने की अनुमति क्यों दी। कांग्रेस इस बात से अनजान थी और उसे यह जानकारी नहीं दी गई थी।''

थरूर ने कहा कि राज्य सरकार ने तुरंत ही एसआईटी (विशेष जांच दल) का गठन किया और अगर देश से बाहर जाने में प्रज्ज्वल रेवन्ना ने जल्दबाजी नहीं की होती तो उन्हें लुकआउट नोटिस' के जरिए रोका जा सकता था। उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से चुनाव के शेष चरणों में, इसकी गूंज सुनाई देने वाली है, सिर्फ कर्नाटक में ही नहीं, उदाहरण के लिए पड़ोसी तेलंगाना में, एक गंभीर विवाद है और कुछ महिला कार्यकर्ता दृढ़ता से आगे आई हैं तथा कह रही हैं कि देश की पितृसत्ता कब जागेगी और महसूस करेगी कि किस प्रकार महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है और उन्होंने इस संबंध में क्या किया है?'' थरूर ने कहा, ''...अभिव्यक्ति की यह भावना सामान्य रूप से सभी पुरुषों के खिलाफ नहीं बल्कि विशेष रूप से उन लोगों के खिलाफ है जो आज देश पर शासन कर रहे हैं।''

आचार्यश्री प्रसन्नसागर 7 मई को कर्नाटक जैन भवन पहुंचेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी मुनिश्री अपने चतुर्विध संघ के साथ बेंगलूरु की ओर विहाररत है और 7 मई को केआर रोड स्थित कर्नाटक जैन भवन में मंगल पदार्पण करेंगे। संतश्री ने मांड्या जिले के रिपब्लिक स्कूल में कहा कि संसार का पथ एक वर्तुल की तरह है, जिसका न आदि है न अंत, यानी कोल्हू का बैल। कोल्हू का बैल दिन भर मेहनत करता है, परंतु मंजिल पर नहीं पहुँच पाता है। जहाँ से यात्रा प्रारम्भ करता है, शाम तक वहीं पर बना रहता है। ऐसे ही संसार में घूमने, फिरने, भटकने के बावजूद भी व्यक्ति मंजिल पर नहीं पहुँच पाता है । उसका इतना सा ही कारण है कि लक्ष्य व श्रद्धा का अभाव और व्यक्ति संसार की यात्रा तय करता है। जब श्रद्धा संतों, भगवंतों के प्रति होती है, तो व्यक्ति भटकन से मुक्त हो जाता है। श्रद्धा से चिर विश्राम मिलता है। श्रद्धा अमृत है, अमर है।

चामरावज्रा में होगा 'जीतो ग्रोथ समिट' 8 व 9 जून को

आयोजन को लेकर बैठकों का दौर शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन इस वर्ष अपनी स्थापना की 17वीं वर्षगांठ मना रहा है। इस वर्ष को और यादगार बनाने के लिए जीतो बेंगलूरु साउथ आगामी 8 और 9 जून को दो दिवसीय जीतो ग्रोथ समिट का आयोजन पैलेस ग्राउंड स्थित चामरावज्रा में किया जा रहा है। इस आयोजन की घोषणा करते हुए जीतो साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने कहा कि जीतो ने निरंतर प्रगति करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा अर्जित की है। उन्होंने बताया कि पिछले 17 वर्षों में जीतो बेंगलूरु ने चार प्रमुख कनेक्ट इवेंट आयोजित किए हैं, जिनमें वर्ष 2010 में जीतो ग्रोथ समिट, 2014 में जीतो कनेक्ट, 2018 में जीतो ग्रोथ समिट एवं 2022 में जीतो ग्रैंड समिट शामिल है। उन्होंने बताया कि इस समिट में कई तरह की गतिविधियाँ जैसे वर्ष 2030 के रुझान, एक बिजनेस पैवेलियन, बिजनेस कॉन्फ्रेंस, युवा और महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम, जीतो नेशनल कॉन्क्लेव, प्रेरक वक्ता कार्यक्रम और एक मेगा ट्रेड फेयर शामिल है, जिसमें विभिन्न व्यवसायों का प्रतिनिधित्व करने वाले 250 स्टॉल शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त एक जैन पैवेलियन, जीतो पैवेलियन और जॉब मेले का भी आयोजन होगा।

जीतो बेंगलुरु साउथ के महामंत्री दीपक श्रीश्रीमाल ने बताया कि ग्रोथ समिट का उद्देश्य उद्योग जगत के दिग्गजों, उद्योगपतियों और नवोन्मेषी उद्यमियों को नवीनतम उद्योग रुझानों और प्रथाओं का पता लगाने और बेहतर व्यावसायिक परिणामों को बढ़ावा देने के लिए एकजुट करना है। उन्होंने कहा कि ग्रोथ समिट में भाग लेने वाले व्यवसायियों को अनेकों दीर्घकालिक लाभ मिलेंगे। इस आयोजन के माध्यम से व्यापार नेटवर्किंग के लिए एक मजबूत मंच, अपने ब्रांड को प्रदर्शित करने का मौका, अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के अवसर, अपने ब्रांड को नई ऊंचाइयों पर ले जाने और अपने व्यवसाय की शानदार सफलता सुनिश्चित करने के अवसर। इस अवसर पर जीतो साउथ, महिला विंग तथा युवा विंग का पदाधिकारी उपस्थित थे।

'सेना अपनी संवैधानिक सीमाओं से 'अच्छी तरह परिचित' है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेशावर। राजनीति में शक्तिशाली सेना की संलिप्तता और न्यायपालिका के कामकाज में खुफिया एजेंसियों के हस्तक्षेप के आरोपों के बीच, पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने बृहस्पतिवार को कहा कि सेना अपनी संवैधानिक सीमाओं के बारे में अच्छी तरह से परिचित है और दूसरों से संविधान को कायम रखने की उम्मीद करती है। एक पासिंग आउट परेड में मुख्य अतिथि जनरल मुनीर ने कहा कि जो लोग संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगाए गए स्पष्ट प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हैं, वे दूसरों पर अंगुली नहीं उठा सकते। खैबर पख्तूनख्वा के रिसालपुर में असगर खान अकादमी में पाकिस्तान वायु सेना की पासिंग आउट परेड को संबोधित करते हुए जनरल मुनीर ने कहा, हम अपनी संवैधानिक सीमाओं से अच्छी तरह परिचित हैं और दूसरों से संविधान को कायम रखने की उम्मीद करते हैं।

उन्होंने कहा, पाकिस्तान इस्लामी गणतंत्र के संविधान का अनुच्छेद 19 स्पष्ट रूप से भाषण एवं अभिमत को व्यक्त करने की स्वतंत्रता की सीमाओं को परिभाषित करता है। उनकी टिप्पणी पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा के उस बयान के दो दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि न्यायपालिका को एक निश्चित कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करना न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप के समान है। शीर्ष न्यायाधीश 25 मार्च को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) के छह न्यायाधीशों द्वारा लिखे गए एक पत्र का जिक्र कर रहे थे, जिसमें उनके मामलों में एजेंसियों के हस्तक्षेप का आरोप लगाया गया था। शीर्ष अदालत ने पत्र पर स्वत: संज्ञान लिया और बाद में कई बार काउंसिल ने भी याचिकाएं दायर कीं और उन्हें मामले में पक्षकार बनाया गया।

रोड शो

मुंबई में गुरुवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस मुंबई के कल्याण में लोकसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले एक रोड शो में शिवसेना (शिंदे गुट) के उम्मीदवार श्रीकांत शिंदे के साथ।

जीतो मैसूरु महिलाओं ने साड़ी पहनाने व मेहंदी डिजाइनों के गुर सीखे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। जीतो लेडीज विंग द्वारा गुरूवार को एक होटल परिसर में रेणु नागोरी के नेतृत्व में साड़ी स्त्रीेल और मेहंदी मार्बल्स की कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें करीबन 50 महिलाओं ने भाग लिया। कार्यशाला में साड़ी पहनावा व मेहंदी विशेषज्ञ रेणु नागोरी ने उपस्थित महिलाओं को साड़ी पहनने के गुर सिखाए तथा मेहंदी लगाने के नए नए तरीकों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशाला के आयोजन से नारी शक्ति जागृत बनती है और कार्यकुशल होती है। इस मौके पर जीतो लेडीज विंग चेयरमैन मोना भटेवरा, कोषाध्यक्ष सरिता बागमार, सह सचिव मीनाक्षी कोठरी, प्रोजेक्ट कन्वेनर नेहा चोपड़ा आदि अनेक सदस्याओं ने व्यवस्था संभाली।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com